सतसुकितग्र्यादिअहलीअ्रजअचितपु
रसमुनिंदरकरना मैकवीरसुरतजोगसंत
दनायनीयर्मदासचुरामननामकुलपति
नामप्रमोयगुरवालापीरकवलनामअ
मोलनामासुरतसनीहिसाहिवकीहया
वसवदालीसकीहयासैलिखतअंगतय
अमरमूलपायर्मदासीवचना साषी॥य
र्मदासविनतीकरे॥सुनगुरत्रुपानिधान
जरामरनदुषमेटिकोदीजेपदनिर्वान॥सा
षी॥मरनकालत्रैलोकमै॥अमरनहीसै
कोइ॥यहसंसअहिनिसलगी॥दीजेता
हिविगोइ॥सोरठा॥हेप्रभुहीनदयालाज

गतजीवअतिदुखितहैं॥ हरहुवेगउरसा
लाक हुपाठज॥ हंसकौं॥ सतगुरोव
चना॥ चौपाई॥ यमैंहंससविनतीनलकी
नी॥ सोसवकथासुनहुपरवीना॥ जराम
रनजेहकौमिटिजाइ॥ रसनामगहौचि
तलाई॥ अमरनाम वहीपावै॥ अमर
सवघटमांहिसमावै॥ ताकीमहिमाअ
वरनजानी॥ अमरमूलमैंकहौवखानी॥
अमरमूलहैसवतेसारा॥ अमरमूलकौ
क ॥विचारा॥ जिहितेंहंसाउतरैपारा॥ अ
मरसवहंसा निजसारा॥ साषी॥ अमर
मूलविजमंत्रहोयकै कवीरविचारि॥
अमरनाम जानैविना॥ वूडासवसंसार

॥चौपाई॥अमरमूलजानोयमेदासा॥
ताकरनेहकहौपरगासा॥अमरनामक
वीरकहाइ॥अघरविनवूडीहनिआई
॥यमेदासवचना॥यमेदासविनतीअ
नुसारी॥अमरमूलप्रगुकहोविचारी॥
अमरनेहसाहिवकहिदीजै॥निवावूञ्ज
इअमीरसपीजे॥वंदीछोरमृत्तकेहाता
अमरमूलकहियेविख्याता॥संधिनेह
कहियेनिरवारी॥औरग्रंथहैवहुतअ
पारी॥निन्पतिसुसवमोहिवंताई॥जि
हितेमनकीसंसयजाई॥प्रेमप्रीतितुम
हीसौलागी॥वचनसुयासुनिहौअनु
रागी॥अमर नामकवीरहैसारा॥पा

उँताहिंहोयनिस्तारा।।सतगुरोवचनो।।
तावसतगुरु हसिकहैविचारी।।तुमसौ
ण्यानाक अतिजारी।।प्रथमहीसकौ
पानकरलेखा।।तेहिपीछेनरियरपुनि
देखा।।सबहस्वैहैतनयेउ-रा।।तेहि
पीछेजीयलोकपसारा।।सबहनामजो
काहैमाई।।निहअखरमेरहैसमाई।।नि
हअदरहरुपरचैहाई।।वतलोके
प:चैसाई।।जीवतलोकवैठपुनिजाइ
सारसबहमेहरहैसमाई।।अमरसब
हकी तेय है न्हारी।।अबूहीपपावये
हा।।अबूहीपलोककरनाउ।।सानाति
हिकी: हालमाउ।।अवरनहूपवरन

नहीजाइ॥यर्मंधसस्रुनियोचितलाइ॥
कोउसमानहंसकोरूपा॥पुरसमहिमा
अहिअनूपा॥अंमरसवहंसोप्रानीन
यउ॥योहीसवहसोंलोपैगयउ॥पान
प्रवानसवहहैसारा॥ऐहीमूलसोंहंस
उवारा॥अवकहनामअप्रघरहैनाइ॥
तुमनिहअघररहोसमाई॥निहअघरको
करैनिवेरा॥कहैकवीरसोईजनमेरा॥वर्म
धसोवचन॥निहअघरगुरमोहिवुझाइ
जातेंहंसलोककंहजाइ॥लोकप्रतीतकरौ
मैकैसें॥कहौविचारिचितावहुजैसें॥तु
मप्रभुनिर्गुन नामसुनावा॥अवकहि
यैमोहिनामप्रभावा॥सतगुरोवचन॥

यर्मदासतुमसतकेअगरा॥सारसबद
गहियौसुखसागरा॥हंसासज्जनपर्मस
नेही॥कहीयैतहैपरमपदतेही॥यर्म
दाससोसिख्यतुह्मारा॥सारसबदकोक
रैसहारा॥तुम्हरेवंसकौंयहउपदेसा॥
मूरखसौंनहीकहहीसंदेसा॥सामी॥मू
रखसौंनहीबोलिहेकहैकवीरविचारि॥
स रतवंतजहंसा कू है॥गहैसबदकोसा॥
रा॥चौपाई॥पानीहोयजसतकेवीरा॥तहं
समायबस्तगंभीरा॥यर्मदासस्नियौचि
तलाई॥लोकपरचैअबहउबताई॥निर्गु
न सर्गुनकाहैटराई॥जातेंसबसंसय
मिटिजाइ॥निर्गुनतनामनिरंजनसारा॥
सर्गुनसकलकीन्हविस्तारा॥निर्गुनस

र्जुनवृद्धिकैंसारा॥सारसवदगहिउतरहि
पारा॥अमरमूलकोकरैविचारा॥यर्महा
ससोईसिद्धहमारा॥औरग्रंथवहुतकभेना
मा॥अमरमूलकीहैसवसामा॥सासापत्र
सवैलपिटाना॥अमरमूलकाहूनहीजाना
अमरमूलयमनिलेहु॥यहसंदेसहंसन
केहेदेहु॥यहसंतनकोमतहैमाई॥जातें
वागवननसाई॥सोईजीवउतरिहैपारा॥का
तरवूडिमुवासंसारा॥साखी॥गपानीहोहिकै
मानहीवूडैसवदहमारा॥कहैकवीरसो
वाचिहै॥औरसकलजमयार॥चौपाई
पवननेहअवकहोवुझाई॥तामैजग
होअरुझाई॥नीरपवनकोनामउदेस

सुकृतघटमैकरैधिवेआ॥हमटकसारग
थइकमाल॥नीरपवनताहीमौरावा॥पहीं
माहिसवरहलिपिटा॥नीरपवनमहर
जुला॥सारसवदमैहँकीन्हनिवेरा॥नहीं
मानेजाजमकोचे॥गरमहिवासजन्म
सोयरई॥जोयहलेखैवाहिरपरई॥घती
सनीरपचासीपवना॥तासोरचीसिष्टज
गजवना॥यहतौमेटकोटीन्हा॥नामर
मणपहिहमकीन्हा॥नामभेदजोपाव
हिसाचा॥सोजीवकालसोवाचा॥सबी
सारसवदजोजनीहै॥सोजैहैनवजीता॥

नामप्रचैत्रवहूनहीमयउआसहै
जोतकहिविचारा॥लगनसोयकरखरीस
न्हारा॥नामसारनाहिनचितदीन्हा॥ल
गनमहूरतिसवगहिलीन्हा॥येहीनर्म
जवछुटवनाइ॥सतगुरसवहृगहैचित
लाइ॥नामपानमैकहैविचारी॥जातेछु
टैनर्मकीवारी॥मोहूनकैसतचौकीहो
ई॥तवहिनामकहूपावैसोइ॥तातेपानप्र
वानाजानी॥नगतगपानताकरहैसानी॥
विनानामनहीउतरैपार॥कैसेसायकह
कैसारा॥पढ़पढ़िविद्यवेदपुराना॥प्रेम
विनानहीहोयप्रवना॥चारिगुरूसंसार
कीन्हा॥तिनकेहाथमकह

ते संतन का लोक पठावैं ॥ भवसागर मैं
है वह हरि न आवै ॥ साषी ॥ चार गुरु संसार
मैं ॥ धुर जे न वेद द्वार ॥ और गुरु जग मैं
ही ॥ लष चौरासी धार ॥ साषी ॥ चार गुरु सं
सार मैं धर्मदास वड अंस ॥ मुक्त राज मैं
मही नेउ ॥ अटल वयालिस वंस ॥ चौपाई
॥ धर्मदास तुम मति के धीर ॥ ता तें दीन्ह
मुक्त कर वीर ॥ तुम तें जीव उतरिहैं पार ॥
दीन्हें सो पि जगत कर भार ॥ राय वंके ज
च हि ज राज ॥ स हतें जोग गुरत हा विराज ॥
ऐहीं छुड़ावैं काल ति हंसा ॥ सवद हेत अकारि
है निरसंसा ॥ धर्मदास वयालिस वं

सां॥ऐसेनिजआहिपुरसकरअंसा॥इनकें
हैंसोंपिहानजिवँनारा॥सवजीवनकोकर
हिंउवारा॥इनैंघोउअंतहिचितलावौ॥ज
नमजनमसोंमटकावौ॥वंसवयालिस
तुम्हरेसारा॥औरसकलसवजूपासारा
॥सा॥नामनेहजोजानई॥सोइवंसहमा
रा॥नातरहुनियावहूतहै॥पुरुषवसंसार
॥चौपाई॥यमहासमेकहैंविचारी॥जेहि
विधिनिवहैयहसंसारी॥कालकठिनहैव
हुवटपारा॥जिनयहसिष्टकीनसंघारा॥
ताकेंहैंकोइनजानैंभाई॥कालहिसुमिरन
करैवनाई॥कालहुअहैसवरूपावै॥
सवहहोयतहामाथनवावै॥नामरेषे

गुपितग्रमोला॥सोयमनिमैंतुमसोबो
ला॥जोयहनामकोकरैपसारा॥सोभव
सागरउतरैपारा॥तुम्हहिहीन्हसवटउ
पदेसा॥सो रानसोंकहोसंदेसा॥गुप्र
नप्रकासजा॥हृदय कहो॥जीवतमुक्तिपा
यजनसोई॥यमहिमासोवचना॥यमहिमा
सकहेसुनहु सा॥जीवनमुक्तिकहो
समुझा॥जीवनमुक्तिकहोकिमिजान
लोकवे सो ना॥सोयहमोस
नकहैवेभेदा॥जिहतमनकोसंसयछे
दा॥सतगुरवचना॥कहैकबीरसुनोध
र्मदासू॥यहनिजभेदकहोतुवपासू॥
उगग्यानजाकेघटहोई॥मृतकभेदवा

हैं पावै सोई॥ अव भैं कहौं गपानउपदे
सा॥ तुम अपनें घट करो प्रवेसा॥ मु
क्ति नाम नहि संसय होई॥ अमर नाम
जव सुरति समोई॥ जहं लगि कहि जिन्हौ
करि गाया॥ ता हं लगि कहि जान दुसो स
व माया॥ अकह नाम नाहिन कहि जा
ई॥ घट घट व्यापि निरंतर आई॥ नादस
वद जव हीउ चारा॥ तामो अछर नव
विस्थारा॥ अछर हुतें प्रगटी माया॥ संस
यमइ सवनि की काया॥ जव ही सुर्तिसव
द मन लाया॥ मन थिर नयैं न ही है मा
या॥ अस्थिर मन घट लहर समानी॥
मुक्त रूपत व ही पहिचानी॥ सो नित्रकर्मी

जीवहमारा॥कर्मकाजवउतरैपारा॥
जोयहग्रहैसवहमनलाई॥ताकरग्रावा
गवननसोई॥सीखैपढैकामनहीआवै
कामीजीवमुक्तनहीपावै॥ग्यानप्रकास
जाहिघटहोइ॥पावैउकापटउरसबगेह
॥जैसेसूरजबादरछाया॥ऐसेमोहगपा
नकरछा॥जबलगमोहनछुटैभाई॥
तबलगिग्यानमनहैसमाई॥जबलग
मोहरहैउनवास॥तबलगिनहीग्या
नपरकासा॥जन्ममृत्युकामतिसंजोइ॥
तबकेनामभक्तिपावैसोई॥कोटिनज
नमअंतजबकीन॥अमरमूलतब
होपरचीन॥अमरमूलकोपावैभेद॥

कहैकबीरसोहंसअछेद॥धर्मदासे
वचनं॥धर्मदासविनतीअनुसारी॥
सतगुरवचनजाववलिहारी॥जिहिवि
धिममनहोइअछेद्य॥सोसमरथक
हिदीजैभेद॥औमोहिकहौपानपरवा
ना॥नरियरभेदकहौसहिदाना॥कहै
तेंभयोपानपरवाना॥कहैतेंभयोन
रियरउत्पाना॥सतगुरोवचनं॥प्रथम
रमूलसोपानवनाया॥वेलीवीजन
हीनिरमाया॥तोनवेलवीजतिहिठा
ऊँसवहिमाहिवेलिनिरमाई॥उप

र्विना॥नरियर है ब्रह्मा को माया॥सो
यर हीन्ह धर्म के हाथा॥जिय को वह दीन्ह
रैयर हीन्हा॥हंस छुटाय धर्म सों लीन्ह
नरियर मान सब वह की जोरी॥सार सब वह
सों नरियर मोरी॥जिन नरियर को पाव
प्रसादा॥जन्म जन्म के पाप नसादा॥जे
जीव पाय पान भिषाना॥देह धरि उ सत
लोक पयाना॥काल दगा तब ही मिटे ज
ई॥सत लोक मह जाइ समाई॥ऐसी गि
जीव जो करई॥भगति बिना सो नाहि नति
रई॥धर्म दास सोच मना॥भगति प्रवान गुर
कहहु वुझाई॥कवन भगति सो जीव म

कही॥तुमप्रभुहौहंसनकेनायक॥पुरस
पुरानजीवहितलायक॥भक्तिअंगमोहि
दीन्हचताई॥जाहिगहेंजियलोकहिजाई
॥सतगुरोवचन॥यमेंहासस्नुभगतवि
चारा॥जासोंउतरिजायभवपारा॥प्रथम
हिपानप्रवानापावै॥सायनकीसेवामन
लावै॥सारसवदघटरहैसमोइ॥भ्रघर
भेदपावजनकोई॥प्रेमरवस्तगुपितेहम
राषा॥पानीहोयताहिसोंभाषा॥सवदरू
पनिहभ्रघरजानै॥सोहंसासतलोकसमा
नै॥इतना॥पानजाहिघटहोइ॥भ्रमरमूल
कहजानैसोई॥यमंहासउवचन॥यमंहा
सविनतीअनुसारी॥हेसतगुरतुम्हरीव

लिह्यारी॥ नरियर पान प्रसाद वतावा॥ ताव
र गहट नाहि हिम पावा॥ सो [redacted] हिहु
वताइ॥ जिहि तें मन संसय मिटि जाइ॥ सतगु
[illegible]॥ धर्मदास तुम सुन [redacted] जान
नरियर भेद पान परवाना॥ धर्मराइ ज
व सेवा लाई॥ तव की कथा कहौं समुझा
इ॥ जव तुम सुनौ धर्म की आदी॥ तव मि
टिहै जम की वकवादी॥ सेवा वस्य पुरस
जव भयउ॥ तीनि लोक भवसागर दियउ
॥ मानसरोवर वैठक दीन्हा॥ कामिनि
है विवह तासु कीन्हा॥ धर्मराइ कामिनि
को गरस॥ तव ही रस आप परगास॥
तीनि लोक जिय करो ग्रहा॥ तउ न भरि

हैउअतम्हारा॥तीनिलोकमैजियजोहो
यर्मराइकैहत्थावैसोइ॥तातेंवहलान
रियरहीन्हा॥धुरइयर्मसोंलीन्हा॥ज
गतप्रवानकहेउसमुझाइ॥विनाजगति
नहीकालपराइ॥नरियरपानसवहेहे
नोका॥जगतप्रवानाकहेउतहचोका॥
॥छंद॥ग्यानपूरनहोइजाघटापाननरि
यरजगतहो॥छीनग्याननजेहपावै॥कै
तोपढकरसका॥अमरमूलहिग्रंथयर्मनि
सुवहिचितलगाइकैं॥जन्मजन्मनपापन॥
सैंअमरलोकहिजायकै॥सोरठा॥सुनय
र्मदाससुजाना॥किहिंविधिसायकहाव
इ॥कहैकवारवखानि॥अमरमूलजानै

ऊ ना॥तिश्रीग्रमरमूखणतयग्रथमोचिग्र
मा॥उपा॥उनगतवरति॥ग्राायमेहासउ
वचना॥चोपद्या॥वमेहासकहैसुनउ
गुसा॥ ॥पोरिवनाग्रक्रहेपुकीमेसाइ॥न
मन्त्रमालततग्रतिचारी॥हुवेिनमाहि
जीव संचारी॥वहुसंसोमेदुनिसदिन
आपै॥ चरहुवेगणरवहुसतापै॥ तुमस
तगुरधरवैतारा॥ग्रवागवनमोरनिर
वारा॥मनग्रहहीयकरमेदव॥ वो॥ग्र
वजिनिग्रंत मोहिलगावा॥वो॥सम
कोतकहिजीवम्रकाताउपावो॥कहिरग
.लोकचलाउ॥सतउरावचना॥तव
सा॥ वग्रसवचनउचारा॥जावपवन

सोऽम्राहिनिनारा॥ब्रह्मारूपसवमाँहिस
माड़॥सूक्षमरूपजीवहरसाई॥हसवं
नागरइकरजाना॥आतमरूपीहैहस
माना॥औरजोइनिमैवरतैनाऊँ॥मान
सहैहमुक्तपरनाऊँ॥पाँचततहसईद्वी
संगा॥प्रकत्पपचीसकहैप्रसंगा॥यह
प्रवानमनकेरवखना॥जीवब्रह्मासौ
नवउतपाना॥मनकरतायहहैहुसमा
नी॥सूक्षिमरूपनाहिपहिचानी॥अंक
चीनअस्थिरहोयजाई॥ताकोआवागव
ननसाड़॥ताकोवरनन्नेहजवपावै॥मुक्त
होयजगवहुरिनआवै॥चौरासीकेवंधव
छुटैं॥कालजंजालताहिनहीलुटैं॥मुक्त

भेदका ।नहिजाना।।मरनकालमैसव
लपिटाना।।अमरमूलहैमुक्तिपासार।।
जाकोसंतोकरैविचारा।।आतमब्रह्मना
र्वैमहैगाइ।।परमातम मिलिब्रह्मकहा
ई।।जिमिजलमि[illegible] नाई।।तैसि
कसांकुचि न[illegible]स [illegible]रा।।परमातमआत
मआतम [illegible] जाँच [illegible] पिवगीसं
चारा।।इमजिवनयउब्रह्मलि [illegible]रा।।जि
मिकंचनअप्राग्नमनको० [illegible]
ह्मकरचीन्हा।।उनयअ [illegible] कपूरहै
ब्रह्मजीवकरसंगना [illegible] टे।।जिमिसवजोति
कोरूप [illegible] ।।यहवेब्रह्मजीवहोयगा
इ।।समुझेतेरएकै इजाई।।सिवसकतीऐसै

मतिभी न्हा॥ताकर मेदविरले कोइ चीन्ह॥
जिनजाना ते मुक्ति समाना॥प्रेम भाव स
तगुरु पहिचाना॥साषी॥जिन जान निज
प्रेम कहँ॥सो भ्रूजन परवान॥तासों क
हियै सूमीर कहै कवीर वषान॥चौपाई॥
अमर मूल भाषि विनिजवानी॥समुझै
गे कोइ विरला प्रानी॥जिन वुझा तिन
मन कहु जाना॥मन जाने उ ते व्रह्म स
माना॥आतम जीव सवै मिलि गये॥
दुविधा भाव न रेक हिर है॥जिमि कंच
न के भूषन नाना॥जव औटै तव ऐक
समाना॥दुसर भाव श्कि कर जाना॥
भूषन कंचन माहि समाना॥कंचन

ब्रह्म अमृत मनजीऊ ॥ इतना बीच जीव
और सीऊ ॥ कौं कबीर सुन संत सुजाना ॥
कै ब्रह्म लतो यु सुनायउ ग्याना ॥ धर्मदास
उवाच ॥ धर्मदास कहैं सुनो गुसाइं के
वल ग्यान [illegible] मोहि [illegible] ज्याइ ॥ केवल
ग्यान कहो विस्तारा ॥ जा सुमिरत होय
जीव उवारा ॥ सीवै [illegible] मन [illegible]
इ ॥ केवल ग्यान मोहि सन ॥ [illegible] ॥ है
जात हो सकल [illegible] ॥ जो बोल हि स ।
स [illegible] हि जाना ॥ जहां बोलत [illegible]
ही ॥ [illegible] निहअक्षर [illegible] ॥ स
सो ॥ निहअक्षर वतलावहु ॥ मिटै संक

लसंदेह॥देहमाहिदरसावहू॥सतगुर
सहुविदेहा॥चौपाई॥सतगुरुवचनां॥कै
हैंकवीरसुनहुमतिआगर॥अधररहि
तसरूपहोनागर॥निहअक्षरहैकाया
माहीं॥निरखहुताहिपदहमकीछांहीं
पदहमीजीवहोयजोकोई॥केवलग्यानपा
इहैसोई॥केवलग्यानप्रगटसमुझाऊं॥
निसदिनिसकरितोहिलखाऊं॥प्रथमहिसुग
हुग्यानपरनेहा॥निरमोहीहोयहुसंदे
हा॥सुरतवतअक्षरपहिचानो॥औरसक
लजगमिथ्याजानौ॥सुखदाईसवहीकोमा
वै॥औरसरूपहोयअग्निवुझावै॥समन्न

नवहिआनै।हरहयपुनीत॥कमन
होई।धवंजनर्मजररसवयोइ।वहवि
येअसतहस्रवुरागी।हसहहिसाकृपति
नलागी।कहसक्तलजणाहिअविलोकी
वृहपुहजन्मविवलकेम्र [illegible] सभत
जापर [illegible] यसुह ।केवलम्पानताहि
समझ [illegible] मादवरतमो।नहिस्रावै
[illegible] जहचेंप्पावै।यहविधिके
यल अपानप नये।जासुमिरतसतला
कासयावे। [illegible] वलनाम [illegible] अघरस्रा
इ। [illegible] हरलोग [illegible]
मा [illegible] निहअघरवा।पावनवरा।पहकी

वीरसिब्यसोईमेरा॥अमरमूलमेंवर
निसुनाई॥जिहितेंहंसालोकसिधाई॥स
ब्दभेदजानेजनकोइ॥सारसब्दमहरहेंस
मोई॥सब्दग्यानुनिजलजजिनिपाया॥स
ब्दष्टीसबमांहिसमाया॥जेतिकजीवदे
हधारिआई॥सब्दहिसोंतेसकलउपाई॥
नीरपवनकीउतपतिकहैंकबीरविचार॥
जोनिजसब्दसमाइहैसोइहंसहमार॥चौ
पाइ॥सब्दअवंअरसबअंउ॥सारसब्द
गजेब्रहंउ॥निहअधरकीपरचेपावै॥
सतलोकमहिजायासमावै॥वर्मदास
उवचन॥छंद॥विनतीकरैकरजोरिय

मीनि॥सुजालसतगुरसाल ने॥ सतलोक
हि कवनसोभा॥ तह ०० वनविहिरहो॥
कवनरूपजोपुरुषरहै॥ कवनस्वरूपहे
साकैर॥ कामिनीकि॰ अपरम्पार॥ तहां
२२॥ काविस्तरे॥ सोरठा॥ सौमोहिप्रगटसु
नाव॥ द शब्द निजदासपै॥ वारवारव
लिजाउं॥ अवजिनमोहिछिपावहु॥ सत
गुरुवचन॥ चौपाई॥ कहैंकवीरसुनहुधर्म
दास॥ सतलोककाकहौप्रकास॥ सतलोक
महँ॰ एकवरकाया॥ एकपलपहोखिरजा
या॥ वाऽसमानहं कोसोभा॥ अमरचा
रपहिरैमनलोभा॥ सतकृतवरनीनही
जा॥ कोटिनरवेरकरामलजाई॥ अमर

लोकग्रमरहैकाया॥ग्रमरपुरसजहांग्रा
रहाया॥ग्रमरपुरसकोपावैभेद॥कहैक
रसोहंसग्रछेद॥सतलोकसतसरूपसारा
सतनामहैहंसग्रधारा॥ग्रम्रतफलकेभो
जनकरही॥जुगजुगकीछुध्यातहांहरही॥
पावतसुधाजनममिटिजाइ॥जन्मजन्मकीत्र
माबुझाइ॥कामिनिरूपवरनजिग्रारा॥ग्या
नग्रानकाजोतपासारा॥सोभावहुतकप्रान
पीयारी॥प्रेमभावसवहंसनिहारी॥ग्रनहि
हितवचनवोलनहिवानी॥प्रेमभावग्रम्र
तरससानी॥सोभावहुततहामनभावव
ना॥हंसकामिनीरंगवढावना॥ग्रम्रतनाम
दरदेमहलावै॥प्रेमभावपुरसमनभावै

आसा वासा मन की नाही ॥ भयो प्रकास सब्द
के माही ॥ पूर्ब संत [illegible] होई ॥ सतगुरु
[illegible] सब्द [illegible] जाहि
[illegible] सोइ जुग [illegible]
मै [illegible] ॥ सार सब्द [illegible]
सार सब्द का पावै भेद ॥ कहै कबीर सो हंस अ
छेद ॥ सार सब्द निह अक्षर आही ॥ गहै [illegible]
मति [illegible] ॥ सार सब्द सो पावै [illegible]
॥ सतलोक महि जाइ समावै ॥ साखी ॥ कहै
कबीर विचारि कै [illegible] ॥ अ
मर मूल जु सब्द है ताकर करै प्रकास ॥ [illegible]
[illegible] ॥ अमर मूल ग्रंथ नमत संसारा ॥ विना अ
मर नाही हंस उबारा ॥ [illegible]

यर्मदासकरजोरिनिहोरी॥स्वामीसुनयविनयइकमोरी॥कवनप्रसादहरसतुवपावा॥
कवनप्रसादश्रमरभईकाया॥कवनप्रसादहसावकहलावै॥कवनप्रसादहंसगतिपावै॥कवनप्रसादतेसुरजनजानी॥सोसमुझाइकहोमेहिवानी॥सत्गुरुवचन॥
कहैकवीरसुनोयर्मदासा॥सवयहभेदकहोतुवपासा॥पुर्वजन्मतेदरसनपावा॥
संतसरनगहिसंतकहावा॥जवकीन्होसतगुरुनेहया॥नामजानिश्रमरभइकाया॥
सेवाकीन्हेउदासकहाये॥लोकहिजायहंसमुकतये॥हेतुदापमहसुजनजाना॥
कहैकवीरभेदनिरवाना॥ ॥रेखतानाका

सोत्राकहुँलगकहौवखानी ॥ निहच्प्रपंचहजो
जानिहै ॥ सोइसंतसुजाना ॥ चौपाई ॥ वक्तस
हद ॥ नमोहिसे ॥ छंद ॥ अमरमूलमहदेह
सौग्राव ॥ कोटिजन्मकोपातकहोइ ॥ नामप्र
तापजायसबसोई ॥ नामहिमाहैसूर्माजानी
॥ विनानामसोकायरमानी ॥ नामविनासु
वहाचिचिहीना ॥ नामविनाहैग्यानविहीना ॥
नामविनासोमूरखकहै ॥ नामविनासापा
पील ॥ दोहा ॥ नामजानसोईगुननमूरण ॥ नाम
जानपहुचेसुषसागर ॥ छंद ॥ नामग्रभाम्र
मालअविचल ॥ अंकवीकपाव ॥ तजिका
गचालमारालपंथग ॥ छंद ॥ लोकसियाव
॥ जिमिसहहनहीपककविनातम ॥ मिटत

नहीअँप्रियारहो॥तिमिनामविनसुनु
धासयमैंनि॥नहीयघटअजियारहो॥सेक
०॥नामअमोलअपारअमरमूलभेव
रनेउ॥करहिकर्मध्वजधारा॥कहैकबीरधि
चारिवैं॥इतिश्रीअमरमूलग्रंथनामलोक
महिमावरनोनाम॥द्वितियोविश्रामा॥२॥
धर्मदासोवचन॥चौपाई॥विनतीएकक
रौमैसोई॥जिहितेंमनसंसयमिटिजाई॥अ
मरमूलकोकहोविचारा॥जातेंहंसाउतर
हिपारा॥कवननामतेसोंहंसकहावा॥क
वनैविधिसोपंथचलावा॥सोमरजाहाहै
हुवताई॥तुमप्रभुहैसंतनसुखदाई॥सत
पउरावचन॥कहैकबीरसुनुधर्मनिबा

गर॥अहविधिहंसपकुचसुभसागर॥प्र
थमकरैसतगुर[illegible]॥जा[illegible]टैकालक
रमेवा॥महाप्रसादप्रेमसोपावै॥सेवाक
रिनिजगुरहिमनावै॥घटमहिरावैपरम
आनंदा॥चौरासीकेछुटहिफंदा॥गुरसोंहि
तऐमाहिपरजाने॥सो[illegible]सतलोक[illegible]मा
नै॥सायनसोऐंमाहिमतरहई॥दुबिधा
भावनकबहूंकरई॥गुरसायूसेवजिनकी
न्हा॥ताकोमुक्तनिकटभयहीन्हा॥स
ती॥गुरसंतनकेहजानिकैहरहैकरेप्र
तीत॥क[illegible]बीरसोहंस[illegible]य॥चलैहैभ
वजलजीती॥चौपई॥सतगुरजहांआ
रतीकर[illegible]॥सवतजतहांजायपगुयर

ही॥चरनाम्रतसायनकोलीजै॥मुखपु
जकरिश्रचवनकोजै॥गुरकोहर्षानिरख
तरहई॥निद्रारूपनकवहूंकरई॥निहअ
घरस्त्रमिरैचितलाई॥जासोश्रावागवन
नसाई॥निहश्रघरकोनिरखैभावा॥देह
छोडिसतलोकसिधावा॥गुरकेवचनसु
याकरमाना॥नामबिनामिथ्याजगजाना॥
श्रौरनहेखैश्रौरनपेखै॥निसदिनपलपल
नामविवेखै॥साखी॥रूपसार॥२॥हैजग
करनीहैयवहाया॥एकनामकंहलजानिपै॥
तामहंरहैसमाया॥चौपाई॥कर्मनमेकी
घेराप्रहिश्रासा॥एकनामसोकरविश्वासा

गर॥ सहविधिहंसप[illegible] ।चसुबसागर॥ प्र
थमकरैसतगुरकीसेवा॥ जातेमिटैकालक
रभेवा॥ महाप्रसादप्रेमसोपावै॥ सेवाक
रिनिजगुरहिमनावै॥ घटमहिरावैपरम
[illegible] द॥ चौ ।सीकघुटहिफंदा॥ गुरसंते
वरैकहिभरजानै॥ सोहंसासतलोकसमा
नै॥ सायनसोरेषहिमतरहई॥ दुविया
नावनकावहुकर ॥ गुरसायूसेवजिनकी
न्हा॥ ताकोमु[illegible] दीन्हा॥ सा
ची॥ गुरसंतनकेहजानिकैहरहैकरोप्र
[illegible] कबीरसोहंसहोय॥ चलैहंस
वजलजीती॥ चौपाई॥ सतगुरजहांम्रा
रतीकर ॥ सवतजितहांजायपगुयर

ही॥चरनाम्रतसायनकोलीजै॥भ्रुवपु
जकरिश्रवनकीजै॥गुरकीहप्याणिरख
तरहई॥जिह्वास्पनकवहूंकरई॥जिहंम्र
घरसुभिरैचितलाई॥जासोंग्रावागवन
नसाई॥जिहंम्रघरकौनिरवैभाया॥२६
छोडिसतलोकसिधाया॥गुरकेवचनस
यांकरमान॥नामबिनामिथ्याजगजान॥
ग्रोरनहैवैग्रोरनपेवै॥जिसहिनपलपल
नामथिवेवै॥साषी॥ क्रूष्पसारहैवजग
करनीद्व्यवहाय॥एकनामकंहुजानिपौ॥
तामहुरहैसमाय॥चौपई॥कर्मनर्मकी
छोडिहुआसा॥एकनामसौंकरविस्वासा॥
कुलकालज्जाजर्मनसावै॥ग्रैसीरहनीस॥

यकहायै॥ अह्वियसौं तुम पंथ चलावो
जब [illegible] पापन [illegible] बौ॥ वंस तुम्हरलो
काकहलाई॥ नाम बिना बूडी दुनियाई॥ ना
म जानसौं॥ पंसतुम्हार॥ विना नाम [illegible]
संसारा॥ वेद न नाम पार न [illegible]॥ नेत
नो [illegible]॥ [illegible] बेद नकोपार
न पावै॥ पढि पढि पंडित गर्म लगावै॥ मुक्ति
पंथ नहीर रतसमावा॥ पढि गुन थाकोतप
रन [illegible]॥ [illegible] जम भयै रै आइ॥ तव
वियाकछु काम न आई॥ विद्या पढि कीन्हो
अभिमान॥ [illegible] कमिट
ना॥ वेद पुरान सासवपह नामा॥ नाम बिना
को जमसौं [illegible] तका

ण्ण॥श्रीभागवतकाम्हिलीन्हा॥कामस्वप
कारसवहिसुनावा॥पंढिततासुमर्मन
हीपावा॥पुरनब्रंह्मनहीचितदीन्हा
कामस्वपसवहिनगहिलीन्हा॥विनस
तगुरकोईमर्मनपावै॥कृस्नहुसवही
लपिटावै॥सतपुरसकोमर्मनजाना॥
कृस्नहिध्यावसाचकरमाना॥कृस्नहिकृस्न
रहालपिटाई॥साचाअलखअलखानही
जाई॥अछरहपुरानग्रंथवहुभाखा॥ताम
हसिरैभागवतराखा॥ब्रंह्ममहातमकहि
समझावै॥श्रीभाभागवतजगतदिढावै
कृस्नचरित्रसवकरहिवखाना॥कर्मभ
र्मकाहूनहिजाना॥निर्गुनभगतिनाहि

८ सोंन्हा ।। चितदीन्हा ।। सर गुरु भक्ति सब
।। तेन पाहिलीन्हा ।। निर्गुण ब्रह्म मर्म नहि
जाना ।। सिव सम ध्यिलगा [illegible] ध्याना ।। [illegible]
स्व ध्यान कीन्हा मन माहा ।। अलख निरंज
जन हुवो [illegible] ।। देवतह [illegible]
मयउ ।। निरंजन रूप विसद्ध गयउ ।। देव
तह देवकौ । उछलाना ।। ध्यातम [illegible] की
नेउ रजयानी ।। देवन परद्ध भाव कीन्हा
तातें विस्न सबै गहि लीन्हा ।। गोपिन भिव
करराज पसारा ।। लीलाय [illegible] जगत प्रितयारा
ता लीला महि सिष्ट भुलाना ।। [illegible] लहि प्रस
द सुरुम [illegible] ।। पुरान अथं श्रोजोति
दिढावै ।। जोति सरूप मन हि पावै ।। जो

तिसरूपनिरंजनराई॥जिनयहसकल
सिष्टीरमाई॥सत्तपुरसकोमर्मनजाना
कूरमपानसबहीलपिटाना॥सत्तपुरसत
त्तसोंपावै॥सत्तनामसोंजाईसमावै
॥साषी॥कहैकबीरधर्मधरसों॥भ्रमरू
मूलनिजजान॥भ्रमरसबजघटबसै
पावैपदनिरवान॥चौपाई॥सत्तलोकम
हपावैबासा॥बिनाभ्रमरनहींकालबि
नासा॥पढीपढिमूरखग्यानबिगारै॥ग्यान
गम्यनहींकोइबिचारै॥ग्यानगम्यजोपुनि
होई॥सहजबोजकरिलैजनसो॥ग्यानगम्य

वे॥ग्यानविनासब- जगमायै॥सबी

सतगुरु मिलसंसय नसै॥न ीतौपचि

पाच- जीवनवमै लोके- टनहीं॥कि

सवियेपा उतन॥चौपाइ॥यमेहासव

भूत॥यमेहासकै स्तनहुग्रसाइ॥ग्या

गसहसोकहसमुज्ह॥ग्यानरूपसत

पुरसप्रकासा॥सतलोकम लीन्होया

सा॥कितहियियिसमुज्पैरैयहवाबी॥कि

लियै सतनामरसाना॥दिसानी॥सतगुरुव

यत॥ग्यानसरूप- रसररहा॥हीग्या

नहिरूपकबीरजगमाही॥ग्यानप्रकासा

होपसमजाजो॥विनाग्यानसंकूलवम

जामविवाग॥जलटमैग्रग्रपयियरा॥

ग्यानविनानहीहोइउज्यारा॥ग्यानस्वरूपअ
क्षरहैभाई॥ग्यानविनाअक्षरनहीपावैगा॥
ग्यानसरूपपुरसकरजानौ॥ऐसावचन
सतिकरिमानौ॥ग्यानस्वरूपनिहअक्षरकहि
यै॥अक्षरमैंग्यानसोलहियै॥निहअक्ष
रसोग्यानहिजानौ॥अक्षरनिहअक्षरप
हिचानौ॥ग्यानसरूपपुरसकरअैसा॥ग्या
नजानसोईममवंसा॥विनाग्याननहींवं
सफहावै॥ग्यानहोयतवसरूहिपावै॥
सोइवंससतसरूसमान॥सरूहीहेतुअ
थैनिजग्यान॥लान॥कवीहिकवीरविचा
रियै॥सूनियैहोयमैघसा॥जोयासरूहिपा

यहै भारैलोकानिवार ॥चौपाई॥धर्मदा
सवचन॥विनयकीन्हयमैंनिकजोरी॥
होसमरथविनतीएकमोरी॥जेहितेंवंससव
केहपावै॥सतलोकसतसिधसमावै॥औ
जीवनकहहेयहढा॥जातेंजीवमृक्तगति
पा॥सतगुरुवचन॥अमरसबपारकहौ
विचारा॥यमैंदासतुमहंसहमारा॥आदिना
मअमोहितनामा॥सोइसबवंसकहरामा॥
सांचसमैवार ॥चौपाई॥ ऐहीततहंसघरघर
जाई॥जपमालाकागेहु॥पावै॥सत्यनाममं
हिंजायसमावै॥औसोमेहह॥नौयमैंदास॥
जबजनमकाभेटतवासू॥जनमकर्मकीभेट
तपरसी॥यहनिजनेहहियेपरगासी॥सोइने
हहमतुमसोंभाषा॥परहाअंहरकनेन

रामी॥जंमअनेकपापमिटिजाई॥संतलो
कमहत्वासोपाई॥बर्मदासौंचलो॥चंद्र
पदकंजअजनजानमनभया॥करहुमंजु
मनोहरा॥जन्मजन्मनकर्मगतिजिमि॥न
मकल्पतरोवरा॥मयकरहुआरतिविवि
यविय॥ममनिबासफलवृन्दावहा॥ज
न्मकर्मनलेपस्वामी॥मोहिसवहिचिन्ता॥
वहा॥ला॥॥॥मैंघटकरहुविचारा॥यह
संसयमोहिव्यापही॥नामतोरआयारा॥
हरहुवेगीत्रियतापकहा॥सतगुरुवचना॥
यर्मदासमैंतोहिलखआतुम्हरीसंसयस
वैनसाई॥अमरमूलजानैंजोकोई॥जा
कोजन्मवहुरिनहीहोई॥सतगुरुमिलै

तौसफल होवे ॥ कर्म धर्म सु वमें टिवह
वै ॥ सतगुर हेट्यां कर्म हाय हीना ॥ भ्रम
रहोइ नाम हिलौ लीना ॥ संसय कभैक
हे [illegible] ॥ संसय काल घट अंत निसम
ना ॥ जवही [illegible] संसय मेक [illegible] तव
ही संसय उतपनि [illegible] भ्रम घरका
प चैपावै ॥ संसय [illegible] जा
वै ॥ संसय फोक उन है ग्यांना ॥ ग्यान ही
न संसय लपिटाना ॥ संसय काल सव
निकौ खाई ॥ निह संसय [illegible] नाम समाइ
संसय काल वलवंत नाहीं कोइ ॥ तें गये
विगोइ विगोइ ॥ संसय नासन गोयम
हासू ॥ एक नाम की राषौ ॥ नाम ष ५

अंतै मन आनै ॥ संसय पकरत हिगाहि
तानै ॥ नाम गहे ते ही नि रसंसा ॥ नाम बि
ना सब कू डहंसा ॥ सा ॥ कहे कबीर य
मैं दास सो संसय को बिस्तारा ॥ एक नाम
कहू जानि करा ॥ उतरौ भवजल पारा ॥ चौ
पाई ॥ धर्मदास अब चना ॥ हे स्वामी संस
य उतपानी ॥ ग्यान ही न सबही जिय जा
नी ॥ बिरला हंस होय अंकुरी ॥ सो यह
ग्यान गहे निज मूरी ॥ ग्यान लछे बिन मु
क न होई ॥ तो यह दुनियां गइ बिगोई ॥
नाम महातम जा बिसरु नावा ॥ बिना ता
म को इ पार न पावा ॥ सतगुरु बचन ॥ क

इकहोतु व्यपार ॥ प्रानहीन जो प्रानी
होई ॥ ताकर महट र नाउ सोई ॥ ताको टी
जै पान प्रवाना ॥ नहि चहु सहो ॥ निर
वाना ॥ जो परवाना तेहि हिये मैं धर ॥ सो प्रा
नो जीवसागर तर ॥ पान जीव सत्त
पावा ॥ सतगुरु चरन हिय मैं राखा ॥
सतगुरु करनि शब्द करसी ॥ चरन ध
तनि हृचेत रहै ॥ तन मन धन संतन प
वारै ॥ सतगुरु चरन हिये मंह धारै ॥ सू
तनारी का मोह न लागै ॥ सब हि त्यागि
चरन चित पागै ॥ चरनामृत इ चरना
मृत लीजै ॥ सत्तलोक मंह अमृत पी
जै ॥ मंह सो परवाना ॥ पुरुष रूप कर

यहुउपदेसा॥नारीकौअंग्रवकहौंसंदेसा॥
नारीनाममममूतकिमहोई॥ताकौघटम
हज्ञानविगोई॥सतगुरोवचन॥ताकर
तोहिमेहसमुझाऊ॥मनोकामिनासु
कलमिटाऊ॥नारीतरहसुनोधर्मदासा॥
कहैकवीरनामविस्वासा॥ग्यानहीनवा
रीकोरूपा॥तकोअंग्रवमैकहौंसरूपा॥त
नमनयचनसंतनपरवारौ॥संतनका
सेवाचितधारौ॥सायनसोजोअंतरकर
ई॥यमराइकेफंददापरई॥गुरकौचरन
निधीवरजाई॥तनमनवचनसबदेइच
ढाइ॥गुरकीसेवाभिसहिनकरई॥सोति

रियाग्नवसाणा ध्रि ईं।श्रेसीयरनयरै
यमहैार।।त्व ।।मैटकालकीफसू।।
[illegible] हासविनती
अनुसारी।।हेखामी।। ।रीबलिहारी
ये देवचनप्रक्रमो हिस्नाउ।।मेरेमन
रैमनमेसमाउ।।ना।।स्हिपसफलहम
जाना।।प्रऊस्पस्पदाहिपहिचाना।।ना
रीकाहेवैसवसवसेसा।।आहिवह
हेपुरवअपारा।।आहि रसहमत मक
हंचीन्हा।।इसरपुरवकहाअवकीन्हा।।
जो।।अ हीसाईहमजानी।।नारीरूपर
यतपहिचानी।।इसरनारि कहहोयकाना।।

ऐहिवचनहमसंसयलीन्हा॥मैंनररू
पग्रहमतीहीना॥इहयमेहसुनिमयउ
मलीना॥तुमतौंध्यावंतगुरस्वामी॥घ
मोअ्रपरायजोअंतरजामी॥नारीनाममा
तजोकहियै॥इनहिजेहै कैसेनिरवहिये
॥दो०॥यहसंसयघटमैवसीहजेवेगि
निवोरायमहासकोवीनतीसुनियेवही
घोर॥चौपाई॥सतगुरउवचन॥कहैकवी
रसुनौयमहासा॥यहसंसयउपजीतुव
पासा॥आदिपुरसजवहतेअकेला॥सह
सरुपीपंथहहेला॥तवसाहिवअसम
तिकीन्हा॥सकलसिपृरचिवेचितचीना॥

मनसाघटतैमनमानिकारी॥ उतपतिन
इतहाइक्कनारी॥॥ वोहीनारिसकलजाग
जाया॥॥ जगद्गुरासवें। नजरमाया॥॥म
तोरेस्कनारीकारनन ॥पुत्रीपिता॥ रच
करतवहोजाइव ॥ नौकी न्हायहारा॥
यमराइकोयहसंसारा॥॥य ॥संसयम
हमरिनजाइ॥ मारिजारिसव ॥नियाना
ई॥ आपुहापिताआपुहीपूता॥ आपुहो
हैवआपुहीपूता॥ आ॥ होनारिसपञ
वतरिया॥ ॥आपुहीपमर्दहोइ जावन
आपुहारचैआपुधिनसावन॥ यमहै
सतुवसंसयछुटा॥ जनमजनमकरपो

तिकदृटा॥ग्यानीसोकहियैउपदेसा॥मू
रखसोंनहीकहवसदेसा॥संसयकान्हा
सकलजगजंगा॥सा॥हूनचीन्होसंसय
ग्रंगा॥साखी॥पहेकवीरसोपाचिहै॥गुर
चरननचितदीन्हा॥भ्रमरमूलनिजसद
है॥हंसाचितगहिलीन्हा॥चोपाइ॥यम
हासतभ्रमरोपिचारा॥विनासवनहीउ
तरैपार॥सारसबदसोसवउपजाया॥ना
रीपुरखहोयविस्तरमाया॥सूरजपुरखचंदहै
नारी॥यघटमैदुइरूपसवारी॥जेसेय
तकनिककीरेखा॥साचेमाहीरूपअनेका
पापपुन्यरूपहिसोजानी॥किन्हयभेयह

हतनर्मिक्रमायां ॥ नर्मिक्रमलतव ॥ मिहि
जाइ ॥ सत्तनामजवरहैसमा ॥ जिवलग
र्मिक्रमलहैजा ॥ तवलगनामवृजन
जाइ ॥ [illegible] गावहिव हुजाती ॥ सु
रननर्मकिरैहिनराती ॥ [illegible] नचीनेम
टगधारा ॥ [illegible] संसारा ॥ य
हासतुमनर्मछिछोडो ॥ निरभयहा ना
[illegible] चित [illegible] जोतुमनर्मकरैजियमा
तौकसहेसलापकहूजाही ॥ [illegible] हीन
जमकोचारा ॥ [illegible] हरचलेसंसारा ॥
हाथत [illegible] जीवसवतारे [illegible]
हंसउवरेहैं ॥ तुमयर्मनिपरवानाहेहु ॥ जी

चउवारियधर्मसनलेहु॥पारसनामकहो
उपदेसा॥ग्यानीसोयहकहवसंदेसा॥छ
द्या॥ग्यानीकहैयहभेदधर्मनि॥देहुतुमसमु
झाइकै॥रहनिगहनिविवेकवानी॥कहो
सकलवुझाइकै॥नामपारसपरसहीघट
कागहोयमरालहो॥अमरलोकहिवासू
करतहो॥नहीकालकरालहो॥सोरठा॥कर
लेआपुसमान॥गुरभ्रंगीयहजीवकौ
देपारनामनिसान॥रूपवरनसवपल
कै॥इतिश्रीग्रंथअमरमूलग्रंथनाममहिमावं
र्ननंनितीयोविश्रामा॥उथधर्मदासवचनं॥
चौपाइ॥धर्मदासउठिविनतीलाइ॥तुव

प्रतापहंसामुक्ता हिविधिपल है जि
यश्रीकाया सोसंभु करवमोहिहि।
या सतगुरते जामीपारस
गेहुफाहू मोहिस्यामी सतगुरप
कहैभपीर२ नसंतस्कजानापा
रसगेहवताव ज्ञाना पारसनामस
हैना यहपारस तें पा
रस जा जातेहंस
फालन धीजे भिनकहूप्रतात
सैव यर्भहासलखिवैवहनवा २
हारहनि पंथ चलायौ जीववो
पिलोकाहिप चावा सोइविचश्रव

कहैकुम्हाई।।जोमांगैसोलोकसिधाई
पुरससद्दनाहींजिनजाना।।निहचैंकहुं
हैंनर्कनिदाना।।बालककहोबीरानहींप
चै।।कैसेकरिवहलोकसिधावै।।जोहंस
पारसनहीलेई।।कैसेंमुक्तिहोइपरितेइ
गुरनहीसिषकंहंगुपानवतावा।।वहु
गुरमहिंफिरयोवसमझावा।।सिष्यसो
गुरुजोअंतरराखा।।गुरमयसोवसत्य
मैंनावा।।सिष्यसोईजोगुरमनभावै
गुरुदेवप्रवींतअनतनलावै।।तुमसो
मैंहृकहैनिरंतता।।निहचैंवचनसुनो
मतवंता।।वर्मदाससोपवनं।।धर्मदासवि

८ गतीअनुसारी ॥ हे सतगुर मैं ... वा
हारां ॥ हम रेवे सरण ... ॥ हे ... वे
जीव ... ले जाय हे ... जमो
सुनिलीजे ॥ वे सह मारग परपन करली
जै ॥ जिहि ते ... ॥ सब केरा ॥ सो मो
हि स्यामां ... हो ॥ निवेरा ॥ ...
जा को ... होय जगमांही ॥ ते उबरहि
वे सन को वा ॥ वे सा ... जब ...
हो ॥ ... सो पार सले सब कोइ ॥ परस
मात मेहजा ... रे हो ॥ कहे कबीर सो कि
पिपितरि हो ॥ वालक वोटे पंथ चलावे
विना पं ... हं पावे ॥ वालक तरै वं

सकेसाथ॥पंथहोनकमैतिनकोहाथा
मृतजानिकरराखागोइ॥तिहिसमझोहि
औरऔरनहीकोई॥सत्जानिकरपंथच
लावै॥देसदेसफिरिसवसमझावै॥जो
नहिसमुगनइयकराई॥सूरतवंतहंसनस
मुझाई॥पूरसअगपाजोमोहिदीन्हा॥मू
लमेदसोसवकहिदीन्हा॥सारसवदकोभे
दजोपाया॥यहसमझपानतोहिसमझा
या॥विनानामभिटिहैनहीसंसा॥नामजा
नसोहमरोवंसा॥साखी॥कहैकवीरवि
चारिकै॥निहअघरकोभेदा॥निहअघर
जोपाइहै॥सोइहंसअघदा॥चोपाइ॥अ
घरमेदवसैजिहिअगा॥तिसवासारक्रम

ताकसंगारा।सतलोकमहिबासा [illegible] मन
तभोजनकरेअघघई।।धर्मदासबिनवै [illegible]
धर्मदासबिनयैकरजोरी।।स्वामीसुनि
येविनतीमोरी।।नारीनामनर्कईखानी।।
सोगुरकोकिमि [illegible] जानि
नारीछिनामहिये।।सोईनर्कगुरकैसैंचहि
है।।गुरतौब्रह्मस्वरूपजाना।।नर्ककुंड
सोकवनौंपाना।।गुरकीमहिमाअगमअगाम
बताई।।निहचैपदसतगुरहीन्हा।।गुरको
वचनमान [illegible] सोमो
हिबताबहुतमगुरअगमअपार।।धर्मद
सकीबीनतीसुनिपौहोकरता।। [illegible]
कहैकबीरसुनौधर्मदास।।अ [illegible]
ऐकहौंकुवपास।।तुम्हजानीतवसंस [illegible]

ताकसंगार ।। सतलोकमें तिवासाप्ति ।। अमर

तनोजनकरैग्रघई ।। [illegible]

यमंह्दासखिन ग्रेकरजो ।। स्वामीजीने

येदिंदु तीमोरी ।। नारीनाभनार्सिपावानां ।।

सोगुरुफौकिमिहीजियग्राणी ।। सफलनर्भ

नारीकिया [illegible] सोई नर्पावरुपौसे चाहै

ये ।। गुरुतौव्रह्मस्यहमजानि ।। नर्कभुगत

सोकवनैगुणाना ।। गुरुकीमहिमागमागम

[illegible] ।। गुरुषा

वचनमानहुमलीनहा ।। [illegible] ।। सोग्रवमो

हिवतावहुतमग [illegible] पार ।। वमंदा

सक [illegible] होकरतार ।। [illegible]

कहैकवीर [illegible] ।। ग्रवयहनें

हंकहौतुवपासु ।। हमजाना ।। वसंसयछु

टा॥कालकठिननवतुमकहलूटा॥काल
केरिगततुमनहीजाना॥फूनीमाद्रामेंहेल
पिटाना॥जवजानौनिजब्रह्मसरूपा॥ता
कैनहीरंकअरौनूपा॥नामअमलरसह्य
कंहजीवबुद्धिनहीछुटा॥तातेजमरछि
रिलूटा॥यमरोकीगतिनहीजानी॥हरिमं
हिलउपजायोत्र्प्रानी॥यहवाजीमद्धिजीव
नुलाना॥सिवसमायिलगावहिध्याना॥
विलासरूपकाहूनहिजाना॥सुरमुनियावु
डेअभिमाना॥ऐहावचनमहसवजगव
याऊंफूनीमायासावजगफंद॥फंदहकने

सतुरवंसउजागरा॥हंसनपहुचावरु
भवसागर॥निह चेंहोइमुक्तपरवना॥स
तलोककेंहहेयपयना॥वंसतुम्हारज
हांलगहोई॥तिनकेहथमुक्तसवलोइ॥
वंसपयालिसग्रंचलतुम्हारा॥तिनकेंहे
थमुक्तसंसारा॥व्यालिसमाहिंसहंसह
समावा॥ग्रंसहमारहोइनिजसाया॥ना
मजानतौसवैउवारा॥विनानामवुडा
संसारा॥नामजानसोईवंसकहावै॥तु
मविननाममुक्तनहीपावै॥वंसतुम्हा
रनामजवपावै॥भवसागरतेंलोकसि
धाई॥नामनैंजानकरैहंकारा॥सोजिव

परिहैभवजलधारा॥ नामजानसोईवं
यंसहमारा॥ विनानामबुडासंसारा॥
विनानामसवहीअभिमाना॥ नामप्र
चैकोईकोइजाना॥ अमरमूलमहहेमै
आई॥ निहअधरमैकहिसमुझाई॥ नि
हअधरकोपावैमेघ॥ सोइहंसाहोई
अधेहा॥ निहअधरतुमगपानासुनाव
हु॥ जंबुद्दीपहेसमुकावहु॥ औसीयर
नयरसैंजोकोई॥ निह चैपारपायहेसोई
तुमयमंद्दासपंथकेराजा॥ तुमरेहाथ
जीवकोकाजा॥ ऐहीमहातमतुमकह
हीना॥ जीवछुडायकालसोलीना॥

॥छंद॥ ऐहिमहिमाजीवयरिहैंवासकरिस
तलोकमैं॥कालफंदकाटिकैलेयरै॥हं
सनथोकमैं॥सुमनसिजपावासलीनो
असनअमृतपावहीं॥वसनअम्मरपह
रिकैंतनजरामरगनसावही॥सोरठा॥सो
उसज्ञानप्रवान॥धर्मनिमहिमोंहेंसकी
पायोसदप्रवन॥अजलोकवासाकीयो॥
॥इतिश्रीअनरागसागरमूलपंथवर्णनं
नाम॥चतुर्थोविश्रामः॥धर्मदासोवचनं॥
॥चौपाई॥धर्मदासतवविनतीकीन्हा॥अ
यलषीसाहिवमैनहिचीन्हा॥जवतेदाया
गईत[illegible]हारी॥गयोप्रकासाहरहैमहि

चारी ॥ अमरलोक के हौ ॥ रखवासी ॥ का
रन कवन आय अविनासी ॥ ...
... ॥ धर्म जो दउँ ओवचन चितु लाई ॥
जीवन न काज पुरस पठवाई ॥ सतलोक
तें जग मैं आवा ॥ धर्मराइ मोहि दैख नय
वा ॥ धर्मराय तव पूछी बाता ॥ कवन का
ज तुम आयउ ताता ॥ सतलोक मैं अव
मैं जाउँ ॥ हंसन काज पुरस पठवाउ ॥ धर्म
राय तव बोले लीन्हा ॥ हमरे हैस मुकत कम
दीन्ह ॥ मैं तौ ताता ओंकार राजा ॥ तुम
कस करव जीव कर काजा ॥ वह तौ लोक
पुरस मोहि दीन्हा ॥ तुम कस मोहि धुरा

वैलीन्हा॥अ्रजहूनलहैजाउगुसाई।
जीवजंतमारैसवंणाई॥अगमअपूपारा
निरंजनदेवा॥तुमनहीजानतमेराभेव
किहिविधिसहंसउतारहुपारा॥१०॥न
मेहलैकरौपासारा॥तवहमभंडाहारुनी
धर्मराजा॥जानतनाहिमर्मतुमकाजा
हमवलस्वासहुकानाई॥तिहिकेवल
हंसामुकताई॥जहांनामतहांतुमनहीं
कोई॥विनानामहैतुमरीछोई॥सहवि
धिहोइहंसपरवाना॥अवागवनतासन
हिजाना॥[illegible]॥जोतिकन

मारे [illegible] धर्मकरैसंसारा सो

सबमोर आहिबिषहारा [illegible]

[illegible] भौलीमु

कौनैनामहंसमुकतावौ सोस्वामीमे

हि गेहदवतावौ [illegible] नाम

हमारेपुरसकेरावो हौनामसोहंसउ

वेराय धर्मरायत ताहिबजाना अपपने

आगेपुन नयेविगाना इहेनामअपनेघ

रवेते जीव [illegible] टता [illegible]

[illegible] प्रमपुरषहैमोरोनाउं दुसर

पुरषकहनिरमाउं मोरेआगेकवनकं

हावा सवकहैमारिजारिनरमावा ती

तिलोकमेंहंजीवपसारा॥उनकंहंमा
नरौसवघारा॥ब्रंह्मापुत्रहमारोंनयह
अंतकालताहिडमहयऊ॥सिवसमाय
कीन्होहंकारा॥प्रलैकालकारिहौंजर
धारा॥विस्नवउसवहीमैंअंसा॥तिन
कौंहंमारिकरौंनिरवंसा॥आपनअंसय
हैणतिहेहु॥सिष्टसंघारप्रलैकरलेहु॥
तुमतौहोजमवाख्यौ॥[illegible]नविचनां॥धर्म
रायकंहंतवसमुझाई॥तुमजीवनके
दुष्टकहाई॥जवतुमकीन्हचोरकोकाजा
तातेंपुरसमोहिउपराजा॥नामएकमोहि
दीन्हअमोला॥इहीनामजियवंहावो

त्या ॥ ठाकुर नाम तुम्हारो होई ॥ तीनि लो
क ठकुराइ सोई ॥ पुरस नाम तुम्हहीं म्हा विस
री ॥ आपुही ९ रसरूप विस्यारी ॥ जोग संता
यन हम रोनाउं ॥ तोहि कारन मो कहु निर
माउं ॥ तुम जिनियम करौ हुं भार ॥ आदि
ब्रह्म हंस नर अवतारा ॥ धर्मराय तव उतरही
न्हा ॥ हम कौं हैं द्या पुरस नैं कीन्हा ॥ तुम ही
द्या करो मो पाही ॥ जा मैं मोर रहै जग माही
तुम जे ठहे मल तुर नाई ॥ हम ईं पर तुम
को पक ॥ ६ ॥ पुरस सम हम तुम कौ जाउ ॥
आपने मन तुम ड सरणा ॥ कहै विचा
रि सो ॥ उपदेसा ॥ जा मैं उज र होइ न देसा

पुरसवचनहमारिसिरपरमानी॥अग्याभं
गकरैनहीग्यानी॥ग्यानीवचनां॥जोग
संतायनवोलैलीन्हा॥यहउपदेसपुर
सतोहिदीन्हा॥जोजियपानप्रवानापा
वै॥ताकेनिकटदूतनहीजावै॥जोकोई
जीवहोइअग्यानी॥ताकातुम्हकाजोमा
हिमानी॥सारसब्दजोवालकपावै॥ता
सोप्रेमबहुततुमलावै॥यहउपदेस
हमारोलीजै॥तवनिसंसयराजकरी
जै॥जोइतनीनहिकरौकवूला॥तौतुम
सहिहौदुखवहुसूला॥कन्याग्नासखी
कातुमजाई॥तातेंधर्मनयेअसमाई

रससत्ताहितव मारिमारा ॥ तवमैंजयत
हंसरसवारा ॥ सदवारितव रससम
रीत ॥ रेटारेंटरतनटारां ॥ मूलसद
पावेंजेह ॥ सो हंसाहिह [illegible] हा ॥ हम
रसह हंसगति पावै ॥ [illegible] पोलेम
मरघरजावे ॥ सो [illegible] मन ॥ दिनपा
प ॥ कितना सेवा करिए करावा ॥ म
कुयर [illegible] रससगपा
पेलिज [illegible] ॥ तवसेत [illegible] रामिलपस
रा ॥ राजपसारेउय [illegible] ॥ हमकह
ह्याहंसका [illegible] ॥ हो [illegible] लोकते
ना ॥ वचनहमा मानकरलीजे ॥

बहुत भ हंसा आनि ॥ टारे ॥ चारसिद्ध
परवतपरपारेतीन सो मेहआनास २ ५
ऐ ॥ चारौसिद्धकालसोंवाचा ॥ ज्ञानीआ
नहरहेमहंसाचा ॥ तापाछेनआरदिग
आवा ॥ यमहासकुमहरसनपावा ॥ बन
[illegible] ॥ यमहासविनता आ० सा
सतगुरसाहिबतुपवलिहारी ॥ आगम
ज्ञान ॥ माहिलखाया ॥ हर जगपान
कुम माहिंजुआव ॥ पक्षछागासतगुरप
गपंवारा ॥ अबजबजीवनसुफल भमा
रा ॥ ऐकवचनमोहिंकहोबुझा ॥ जिहतें
जियकीसंसयजा ॥ कालकाजनसापना ॥

जजाना॥सोमोसोकहियोपरवना॥जीव
तकाल चीन्हजवपावै॥तवतुम्हारेस
तलोकसियावे॥जोपैकालचीन्हनहि
जाई॥तौकैसेंसतलोकसियाइ॥तुमतो
ग्यानवहुतउपदेसा॥विनदेवेसवलगेभ्र
देसा॥दयाकरोंअपनोजनजानी॥काल
चीन्हपाउपहिचानी॥विनचीन्हेंनहि
होयउवारा॥भवसागरवाकीहेंयारा॥भ
लक्खीनहेजमकोफंदा॥कैहिंविधिजी
वहोयनिरदंदा॥निरदंदीमोहिकरहुग
साई॥तौमैपंथचलाऊंजाई॥सतगुरवच
चन॥तवसाहिवकहिवेअनुसारा॥

मंहासर नकालपसारा॥कालर लर
सैहैजाइ॥प्रथमकाल पहुंचीं॥क्या
जैतिकमकैरैससार॥सोसव हेक
लविवहारा॥कालकालजानतहीकोइ
करविपरीतसवनिकहवो॥हसश्रोता
रकालनंघलिया॥कालं परवलस
वंहहलिया॥॥मदाक वारहि
पुनिपरससरामवलवी॥कलवोयनहि
कलंक॥हसश्रोतारसायारी॥
॥इनहहयरजामा॥कालश्रमल
पतानपाही॥कालमरमकाहुनहीं
जानै॥सवकंहपकरकीनपासिमाना
कालरवकंहकाहुनजीन्हा॥कालरूप

सवहिनगहिलीन्हा॥कालपायकरजा
गहिजोगी॥कालकष्टस्पुनिफिरहिविरो
गी॥कालपायपापीजोकरही॥कालपा
यसवपुनमहियरही॥कालपायवैसत
जुगजयऊ॥कालपायत्रेताहुइगयऊ
द्वापरकालपायकरत्र्प्रावा॥कलजुगका
लसवहिनरमावा॥कलहिरीतचलि
सवजाई॥कालमहिसंसारसमाई॥का
लपायकैकैजगतकरावै॥कालपायक
रलोकहित्र्प्रावै॥कालभेदभैकहोविचा
री॥यभेदसतुमप्पानसहारी॥काल
केरकोईमर्मनजाना॥सतपुरसतेंभय
उतपाना॥त्र्प्रलसनिरंजननामकहा

याँ॥ पुरसप्रसंगरूपवनित्रायाँ॥ पुर्स
तवाहै॥७५॥ कृष्णचरित्र॥ कालरूपव॥ म
नकरे॥ यहै॥ दोहा॥ कालकालसंग्र
ईकहैकालनका॰ विचार॥ मनथिर
होवैसहुमैकालरे ऋवमारे॥ चौपई॥
॥ नापहुच्यावैनाक हुआई॥ सबुद्धिमां
हीसहजसमाइ॥ जेसालवैतस ॥सो
ई॥ ग पतप्रगटव्हेहरहैसमा॥ ॥ य
नाइवरुपानानास॥ जेसाहितसाहु
जाईहय हैज्ञानजबपरगटभयउ॥ ३
तयानाइसबैभिटिगए॥ दीपकज्ञान
भयोहुजिया॥ कालतिमरमिटिगयस्प्र
पिया॥ जबतें नहि८५क्रजबपावो॥ ३

चनीचसवदूरिवहायौ॥ ४ चनीचस
वकूंनहिलागो॥जवग्रातमपरमातम
पागो॥सवसंसारकूंसाचसंसारसमा
नाकूंहैनाई॥समतीगयानप्रकासकरा
ई॥कूंनैसाचसंसारसमाना॥सतस
दूनाहिनपतिचाना॥ग्यानप्रकासहरहै
जवजायडी॥सोचकूंनहैनोमिटिगयउ
धर्मदासतूमवुम्हउग्याना॥कालमर्म
ग्रवसुनीयोकाना॥सतगुरदयजाहि
परहोई॥ग्रमरमूलकहजानैसोई॥ग्र
मरमूलजोजानैनाई॥ताकोकालसवे
मिटिजाइ॥ धर्मदासमेतुमहिलखाउ

निहअक्षरकौनेहवबाउ ॥ न जानै
निहअक्षरमेह ॥ ताकहिकालजारे
हमेहा ॥ निहअक्षर रावनकालनजी
तै ॥ ज्यु झाठ कौमारिवं ॥ ते जपत
पिस्याकालपसासा ॥ हान ॥ अक्षरहस
सारा ॥ कालगतीसंसो ॥ कोऊ ॥ विरले
जनकाइलाविपद ॥ जीवकूं बसाना
ठीचीनह ॥ कालनचीन्हहिमतिकेहीना
काहहुअका हुसुसहो ॥ कालकवजा
नतनहिको ॥ जवयु ॥ मनकोकरावे
[illegible] ॥ जराले जहयप्रभुहिपुकारा
स्वारथरूपसद्याचितलावै ॥ परमारथ
कबहूनहिंमावै ॥ कब ॥ महेप्रभुने

सवकीन्हा॥कवहुक्महैसवमोरऋयी
गा॥सा॥कहैकवीरयमंहसरसो॥तु
मतुमस्र्निशेचितलाइ॥कालनेहनही
जानई॥मूरखरहैमुलाई॥चौपई॥यमंह
सतुमचितथिरतकरहू॥मनकीडगमग
सवपरहरहू॥सूतनविम्योऔरवर्तमा॥
मनथिरजयौसवैपहिचाना॥सवमहि
हंसा॥निरखहियै॥मनबचकर्मनाम
कोगहियै॥मनकेरूपसमानीमाया॥
सवसंसारव्यापवहछाया॥मनथिरभ
रपरमातमजाना॥वहविवयततलेहि
पहिचाना॥सोईजूतसोइवर्तमाना॥

साईं भवसागर महियां ना ॥ जालकाल

सें ते सूझ है ॥ कल विचारि ता हि ना ॥ त्यु

टै ॥ ये ह्रिदय मैं निस दिन लीजै ॥ सह मा

हि पासा तुम कीजै ॥ काल ग्यान संसारव

खाना ॥ काल सरूप जाई पहचाना ॥ भ

र्म हंसा उपजाना ॥ धर्म हंस तव पावन रूप

रई ॥ सतगुर सो विनती अनुसरई ॥ जो तु

कही सो परवाना ॥ हम सो कहि हि विधि द

है ग्याना ॥ तुम प्रसाद मुक्ति फल पाया ॥ भ

ह भवसागर बहुरि न आया ॥ हम सो कहिये

वचन विलोई ॥ ग्यान साय ना जाय होइ ॥

॥ सतगुर ॥ [illegible] ॥ तव साखि ॥ पंथ संका हैं

लीन्हा ॥ मैं तो पाय ग्यान कर चीन्हा ॥ है

मतुमसतलोककेवासी॥कालनहीज
होहैअविनासी॥सतलोकमंहैयहसवि
वहारा॥कालस्वरूपसवहीअवतारा॥
कालमर्मकाहूनहिजाना॥जीवजंतस
यकालसमाना॥कालहिकलासिष्टनि
रमाई॥फिरिवहकालहिमांहिसमाई॥स
ले॥कालस्वरूपसवउपजेकालस्वरूपसव
आया॥कहैकवीरयमंहासससोसवघट
कालसमाया॥यमंहलउवचण॥चौ
पाई॥यहस्रुतियमंहांसहरिवाणी॥सत
गुरस्वरूपहियेपहिचानी॥तुमसाहिवमो
हिकीन्हनिहाला॥आपनजनिकीन्हप्र
तिपाला॥विनतीएकअकरतसंकाऊ॥ऐस

तगुरमोहिमाखिसुनाऊ॥कालहकीक
तिकहिसमुझाव॥अचिरजवातमोरिम
नआवा॥प्रथमः रसकैप्रथ ॥काला
मो ॥वतावहुमहरसला॥सतगुरोवच
॥तवसतगुरकहिवेग्र० सारा॥धर्म
दास॥ नमताहमारा॥प्रथमहितोजव
सुखवि स्वा॥ताहिनन ॥पापश्नोपुरु
सुस्वाहिमाहिसव॥ ॥रा॥धर्मरायकोम
यौपसारा॥पुरसस सुस्वानिरमाऊसेहि
नेहविरलेजनपाऊ॥जाकाकहियेसुन्य
सुनाऊ॥काल ॥लवाऊ॥का
ल॥ हकोइनहिजान॥धर्मदासतुमसु
नियोगपोना॥प्रथमा ॥जहरूपएकमय

उ॥सत्तरजुगसोवत चलिगयऊ॥साहिब
मोहिकहअग्रगाढ़ादीन्हा॥जिंहजावकंहं
ऊमनाहिचीन्हा॥जिंहजीवकंहंआन
कुलाई॥सत्तरजुगउनसोइगवाई॥तव
हमजाइपंचनअसबोला॥सोवतजिं
हनहींचितडोंलो॥जागनहींलगिनींद
सोंहाई॥कहसोवततोहिपुरसकुलाई
तवसाहिबऐकसबदपुकारा॥कालकाल
करकीनहउचारा॥कालसबदसुनिजिंह
डराना॥तवगहिआईचरनलपिटाना॥
कालनामसुनऐसाआई॥कालसबदसु

हुस्तुलंडू तकह [redacted]
वउस्प्रहुई। सायनमिलिकर गुप्तकमा
है। [redacted] हीस्रावै। [redacted]
दृना होतो नाई। तौकहे कौ भगतिकरा
क [redacted] पांच
कालउरवंया। कालहिउरगावैसतगुपान
कालहिउरद्योउस्प्रजेभागा। सतहिपच
नकालउरकहुई। कालहिउरकुछेपरहर
ई। ऐसाउरहैकालहिकेरा। यमहास
तमकारहुलवेरा। यहउरसासव नि
सावदी षा नहेवकरलकोमूउात्त
मयमहासाठेउर [redacted] जाउ। कालहिका
हेयुठसुठाद् [redacted] यहहुवही

ई॥तुमनिरसंकहुइपंथचलाई॥२८॥
यहजातिपंथचलायनगमै॥हंसलोक
पठाइयौ॥ग्यानागम्पलसायकैंफिरि
सारसबदलखायऐं॥छयाजापरहोई
गुरकी॥रहनगहनिसमावहीं॥काल
कष्टनिवारिकैंसोइ॥पुरसलोकसिधाव
हीं॥सो०॥ग्यापसरीसाजान॥ताकौंस
बदलखाइयै॥धर्मदासलेहुमानि॥यहै
सिवापनपुरसकौ॥इतिश्रीअन्नरमूल
ग्रंथधर्मरायबोहकालकोवरननाम॥प॥
धर्मदासउवचनं॥चौपाई॥धर्मदास
अनंदसमाना॥विणसउकमलउहय
जनज्ञान॥वहतजातिकेविनतीकी

ह्वाँ ॥ मन पच क्रम मचर० चितही० गु॥
पह रज लिये निज मामिटि जा ॥ हु छीसी
स्वाति जल में पाइ ॥ रंक० नियमलि
ग जैसें ॥ गुरु मन मानें मन नवपदे
सें ॥ च नम्रमतविधि सो लीन० ॥ गुर
चरननको मैं प्रायीना ॥ गुरु चरनन की
० गुरु पदसा ॥ प्रथम मन माने उत पउप
है सा ॥ पर तातिमो निज आइ ॥ नि
कछ वचन मानत पसाइ ॥ अप हो जी
य लोक में है सा ॥ पाउ० गम्य सो पर ऐउ
ले मा ॥ जन मानत होनो ॥ मजाना ॥
ह्या तुम्हार पर पाहि चाना ॥ जाप ह्या
तुम्हारी होइ ॥ अस पद के है पहु चै सनि

सोई॥हमजौनोकैमनउपदेसा॥विन
सतगुरनहीमिटतत्र्प्रदेसा॥तुमसतगु
रुत्र्प्रौरसवसिषा॥यहहोगपानहमपर
गटदेसा॥सतगुरत्र्प्रापत्र्प्रौरसवत्र्प्रंसा।
सतपुरसकेतुमनिजवंसा॥तुमम्ह
रेवचनलोकहमजाना॥तुम्हारीदय
सवहिपहिचाना॥यहमनवुफसव
हैलोका॥गपानजयैसवमिटिगयत्रो
का॥लोकत्र्प्रलोकएकैकरिजाना॥तु
म्होवचनसाचहममाना॥त्र्प्रवमो
रेजियपरचैत्र्प्राई॥नावुझौनाहिनकु
तराई॥सारसवदमेरहोसमाई॥विन
जानेवुझीदुनियाई॥त्र्प्रवरेकवचन

कुमैसाई ॥ विनतीकरौचरनचितला
ई ॥ तुमगुरहौनहमोहिउपदेसा ॥ मैंहं
नसोकहौसौंहेसा ॥ यहतौवातकहौन
[illegible] ॥ जवपावैतवज्ञानहमाई ॥ ज
वत [illegible] हयाकवहिवमाहि ॥ तव दीपा
वनामकाद्यीहि ॥ का [illegible] यैवचनमोर
[illegible] गावे ॥ जातें सलोकहस्रावे
॥ [illegible] ॥ तवसाहिवञ्म
कहियेलीन्हा ॥ सवकहे सदकोच
न्ह [illegible] नाहि ॥ गवसह [illegible] नी ॥ सो
कसकरहिलोकपहिचानी ॥ सवकै
हंञ्प नगम्यकारेहु ॥ सदलवाइञ्म

पनकरलेहु॥प्रथमहिदेहुपनपरवा
तापीछेंफिरिग्यानवखानों॥समयजा
सवकहउविचारी॥ऐहीनातिजीवनिर
री॥सायनकासेवाचितलावे॥सोजी
नोसागरनहीआवे॥गुरकीद्याभाजि
सिरलीना॥जावसहितपुजातिनकी
न्हा॥इतनो●नेहरैकनहिजानी॥सोकै
सेपुनिसिष्यवखानी॥ग्यानवंतकंहत्य
हउपदेसा॥मूरखसोनहिकहउसंदेस॥
सारसदजाकेघटहोई॥तिहिसमहंस
औरनहीकोई॥धर्मदासकुमनौनही
नारा॥सबकेतारनहेकरतारा॥यह

उपदेसपावहुप ॥ आतीमाजोसोइहेस

का ॥ तीमाजोवहेमानेवाहा ॥ [illegible]गरा ॥ सो

चलिजैहैजमकेद्वारा ॥ जमकेहाथपरे

जाव ॥ पहुताजावथाहुनहीपा ॥ सोआ

केहेकावीरधर्मदाससों ॥ हीजोपाव [illegible]

ना ॥ एहीहंसजुपावहीपहुचैपदनिर्वान

[illegible] ॥ हेस्वामीत[illegible]

रीलिहारी ॥ अबचोकाकोकहोविचार

कवनसहृतेंआरातेसाजा ॥ कौनसद हो

[illegible] कीपंजा ॥ कवनसब्दसोनरियलमो

रा ॥ कोनसब्दसेंतिनुकातोरा ॥ कवनस

सोचोकाक ॥ कवनसब्दसोदीपक

वरई॥कवनै सब्द पान लिखि दीन्हा॥क
वन सब्द प्रसाद जु लीन्हा॥कवन सब्द
मिष्टान चढावा॥कवन सब्द तें छनत
नावा॥कवन सब्द परवानै साजा॥यो
ती कवनै सब्द विराजा॥कवन सब्द सें चं
दन दीजे॥कवन सब्द सों पुहुप चढीजे॥
दल प्रसाद किहिं सब्द बनाई॥यह है गैहगु
रु हो बुझाइ॥सत व्रत बचना॥यह है वे
द भवतो हि वताउ॥चौका कथा सकल
समुझाउ॥प्रथम हीतो चौका अनुसार॥
सोई सब्द मैं कहौं पसारा॥सेत सिंगासन
चौका चारी॥कंचन थार पुहुप आरती वार॥

तहांयनाजोवैठम्रा ॥ लावनीलिजि
जातिवनाइ ॥ वभेद्यासउभैवं ॥ लि
न ॥ चंद्रसूरहोउसावीहीन ॥ सु
नघटमा समावा ॥ भहलिपनजा
निय ॥ वा ॥ ग्रमरसद्दउपरखरायां ॥ ग्र
मरप्रवानाग्रमरकेजाना ॥ ग्रमरस ग्रे
रलेप हुचाना ॥ ग्रमरसह जाजानेजह
ताकोहैपरवानग्रछेहा ॥ जाकरेफायरती
फहहीन्हा ॥ पानसुपारीनारियरका ॥
सोपासाहसंतनकोह ॥ सतसुकृतके
लोक माहं तीनलोकसो पसारि
वाहरजीतर सहने नारा ॥ इजाइ भांति
हि तसोमेटी ॥ स्याहिचौन्हिकावीरांहमेटी

ऐहीसहृमिष्टानचढावा॥कहलिपञ्जो
ग्रनीयेराव॥सवासेरमिष्टानमणावहू॥
सतपुरसकेंहुग्प्राणि चढावहू॥सतसुकृत
कैंहमेंटचढाई॥दीनजावकरविनतीलाई
॥यमंहासोपचन॥ग्रंजरैकग्रवसुनोह
मारी॥तुमगुरलीनेंजीवउपारी॥सोयहेम
हमसकलसरीरा॥भीरामेंटैवापकवीरस्
॥सोगुरावचन॥यमंहसतमसुनियहव
नी॥ताकरजेहकहोंपरवानी॥सवालधच
कजोपरई॥तिहिकारननदियरग्रंथसरई॥
वहुतेजातिसोतलगावै॥म्रतलोकमह
वहुरिनग्रावै॥मनवरिकसोवणकदा॥
म्रतलोकजनकोग्रस्थाना॥कैंचिकवार

मैंमारोकना ॥ बानमारजगतजसलीन्हा।
तिलककाढियमेंमकंहहदी० । ...॥
परमोरिकैंजमसिरपरोउतार॥ वचनयहहे
हैवाकवीरकोप्रसादतवहीन्हा॥ ...
...
कारसदप्रकासा॥ अग्रसदकारपावैभेदा।
...तवहिपान
कौलिट नीबीला॥ अग्रवर कारपायाटी
का॥ सतका अंकात तैलिखिदीन्हा॥ मंत्र
उचारऐवातवकान ॥ सुखसागरसुमे
रअप्रस्थाना॥ त नेवापाजीसल प्रवाना
सेतपानकाअटरनकाया॥ सीपमाहिंजि
मिस्वातिसमाया॥ ज ...तपवनफिरत

संसारा॥निरमलपवनहंसअसवारा
तवहीतिनुकावेगितुरावा॥जन्मजन्म
केपापवहावा॥मं=ात०॥दाको॥आस
नवासनमनकालपनहैजोसर्वभूत
कहैकबीरसतगुरमिलै॥मिथ्याकेमू
मथूका॥रुपंशी॥र॥तवहिप्रवानहोजो
जानी॥मुक्तहोईहंसापहिचानी॥यहि
नैछोडयमंअस्थाना॥पावैंदुर्गहानी
करथाना॥आगाहिचित्रगुपिनाहिमा
रा॥नामसुनायकरहंसउवारा॥टुटै
घटअछसीकोरी॥हंसातरैनामकीडी

हांविटलवेउग्प्रा॥ कहैकवीरजोगरमि
लैं॥ तौहंसहैग्रपहुंचाय॥ यौपखि॥ हैप
रवानाहंसवचावै॥ ग्पानपरसपहप
टहिसमवै॥ घटकोपरचैकोईकोईपा
या॥ जाहितैजीतिचलैजमराया॥ [illegible]
सनकोसहसुनावै॥ विनासहपारी
नाहिपावै॥ विनसहजोपीवैपानी॥ मा
न [illegible] माहैरसविरसमानी॥ [illegible]
[illegible] गमलरापरानिर्मलजल॥ हंस।
पिवैग्प्रघाई॥ कायाकंचनमनमगन
कर्मजर्मिमिटिजाय॥ सतसुकृतकोनी
रमगावै॥ यनीकेवालकस्नानकराय॥

कारग्रज्ञानसीसनवावा॥कहैकवीरसु
नौधर्मदास॥आदिअंतिरएकजोतिनिवास
चौदहभवननवखंडमैं॥एकहिसतकावी
रासंपूरण॥३॥निरभयपदकोचौकादीन्ह
सीलसंतोखदैमंजनकीन्हा॥परमपरती
तपरमउजियारा॥सतसुकृतमेरेजेवनहारा
सतसुकृतकाफिरीदुहाई॥जलभयोपाक
संतनसुखदाइ॥सबसंतनमिलिकियाप्र
कास॥बापकवीरकोजिवावोधनीधर्म
दास॥सबसंतनप्रसादतबलीन्हा॥मुक्त
अंगैपदकोतबचीन्हा॥संपूर॥४॥रमैनी॥
कहैकवीरधर्मदाससो॥प्रतीतिपरमा

न॥यहसविधिसवकाजेजुरौ॥पावै॥२
निरवाना॥
॥यमदासविनतैकरजोरी॥स्वामी
नियौविनतीमोरा॥कवनवस्तआ॥ते
मौयरही॥कवनवस्तलैसेवाकरही
सोसवमो॥कहौसमुझाइ॥आरतिवि
धिमैकरोवना॥ ॥प्र
थमाहिमांहिवलसैतस॥ ॥रति
रतजगत॥तयारौ॥कंचनकेरथारवन
वावा॥तामेमोतीआनिधरावा॥ ॥से
आनजैपहह॥ ॥कौसोविवपरकारहै
सो॥सरीरैककंचनकोहोइ॥तामांह

फलप्रसादकरसोई॥नरियरइकसत
एकप्रवाना॥सवातीनिमनलौंमिष्टा
ना॥पाटंमरयोतीतहा चहिऔ॥दीप
मालिकवहुतिकलाहियै॥नईवेदतहैं।
आनियराई॥चंदनऔरकपूरमगाई॥
जरीकेतहंवंधनतनावा॥पानसहसदश
दसयरवावा॥तापीछेंपरसादसहदा
नी॥मखपुजासायनकरजानी॥लवं
गसुपारीलाईचीलीजै॥मेवाअमृता
तियरदजे॥आरतिफलतवहीजिवप।
वै॥सवसेरमहाकंदमंगावै॥मनमौ
यहुआनंदवढाई॥अस्तीफलसोई

प्रानपाई॥ अपनेसा [illegible] आरतिकरे॥
भवसागरसैकैसेंतरई॥ सोनेकेरक
लसयरखाई॥ तहापरवानालिखैव
ना॥ प्रावागावालकक हृदीजो॥ ह
सरूपताकेंहकरलीजे॥ ऐसीआरती
करयमहारसू॥ सोईपावैल [illegible]
[illegible]॥ [illegible]॥ यमूहासाधि तो
अनुसारा॥ [illegible] तार
ऐसीविधिआरतीन [illegible]॥ साजिव
किमिभवसाग तरइ॥ काटैभैजिवहा
लि [illegible]॥ हवावैनाकिमि [illegible]सभो॥
[illegible]हिंविधि हाइहंसमुकताऊ॥ सो
मोहिस्वामी गहवताऊ॥ [illegible]

७॥तिवसहिवआसकहिवेलीना॥२
तिकाविधिजापरनहींसोई॥सहजआर
आरतकरसोई॥सवासेरमिष्टानमें
गावै॥नरियररकैआनिचढावै॥स
वासैपानकहैवपरवाना॥चौगलाय
चीयहवंयाना॥ताहांपांचपदमंगल
गावै॥साधनकसेवामनलावै॥ऐसी
विधसोआरतिकरई॥सोप्रानीनवसाग
रतरई॥येतीतहांआनिरैकयरई॥सत
गुरकेरनिछावरिकरई॥साधनसोव
हुप्रेमवढावै॥सतरूपहुइग्यानस्रु॥
वै॥ग्यानअनूपकरसदवुजावै॥संतनसौ

यहुप्रेमवढावे।।जोइहनीनकिारकौं
हारा।।ताकीसंहिमाहिभार जोविचार।।जो
ईतनानाहिनवनिआवे।।सोकउ नरपा
रकिमिफवे।।छाहसआरतिनावनिआ
वै आरतिसेवामनलावे।।फणनआ
रनाहै प वानाछ आरतिनाहिघो
ऽ जाना।।साएनवार साहकाराइ।।
वरसरोजकेकरमनसा।।सोवा।।पान
प्रवानापावहीसत रसहिमाजानि
तेइहसासतहै।।औरजुअग नाचौ
पाछ।।यमहासमेत ।सुनाउं।।आर
ति नाउं।।अधरसारआ
रतीसोई।।विनअधरसवगयेविगो

अघर गेहजानपर संगातानोवाल्
रहैन हीसंगा॥अवतिय हृत गातिरसों
करई॥अघर गेहहियेमैधरई॥सा
ती॥अघर गेहनजानभ्यातेंपर हैत्य
नाई॥ताकोपरहानमानियेअपुन
जीवनसाई॥चौपाई॥अारतगेहअ
घर हैवनाई॥सारा॥औरसफलसव
रूपसारा॥जोकोअघरपर चैहोइ
अारतफलपावतहैसोई॥मरूखसव
घटमाहिविराजै॥सवमिलअघर
पुनिसाजै॥ताकीमहिमातुलैनको
ई॥ऐसासाधूविरलाहोई॥सा॥पर्क्रा

रजाग्रध जाना [illegible] ओरणरु नवकुष्वजा
नागुरसाइजोग्रध जाना [illegible] विन ग्रध
रमूरखसगामग्या [illegible] कउ नरवोहीजीवन
कहता [illegible] मूरखि नजियनूरकउरै
जोगुरहगासिख्यकहहेता [illegible] नकीपरैगुर
सिख्यसमेता [illegible] रविजग रंग्यारातिकरव
यमरायकेफंदापरईयाहैगेहगहीजान
तप्रानी [illegible] पजानी जैसें
गगियाक [illegible] सैंजान [illegible] सोकहो
री [illegible] ग्रध [illegible] पर [illegible] नाहिनपावै [illegible] ग्रापुही
ग्रापुजाणउ १ नावैं [illegible] कहा सो
ईसौंचहैजिनसदसोपरचैकरी [illegible] सुरत

निरतसमेटि केसोईनांमनीहत्प्रघरदे
री॥रहनपूरेग्पानसूरे॥पंथपरमारथ
लहै॥इडंगिनसमानईकचिता॥इति
जावन हीण है॥सोरठा॥सतगुरसिंध
कबीर॥उनमहतरग्प्रवकोलहै॥सुनि
चौपरमनिधीरा॥सलिलतासवकोउहार
है॥इतिश्रीग्रंथ ग्रमर मूल चौपापव
नवर॥निंबलखमोविश्रामा॥१९॥पर्मह
स,पचनां॥चौपाई॥परहसुनियर्महा
सहरमानो॥जिमिपंकजविगसैलखिन
नौ॥हेसतगुरमोहिदयाकीन्हा॥जन्म
सुफारथमैंग्प्रवचीन्हा॥पर्महासविन

तांम्र - सारी स्वामी कहियै भेद वि
चारी इक संसय मोरे घट माही सव
नौ विधि सौ छुटति नाही म्रतलोक मैं हु
पांडय मी कैसें जीव होई निहकर्मी
ई म सतगुरु दिजगदीनाथ नाया सिख
पखंडत जैन माया सो मोहि सतगुर
भेद वतां जातें होय हंस मुकताउ
पावंउ जीव मुकत न होई सोहं साकर
मु[illegible] विगोई जपत [illegible] ग्यान व हुत करजा
[illegible] व हुत लपटान [illegible] तन
कर्म काज म्रावि काई तव पावंउ [illegible] टेन
ही जाइ [illegible] धर्मदास म

सुनौविचारी॥पासडीगातिसवनिरखा
री॥सतेसदघटनाहिसमावौतौलगस
दपावांऽकहावौ॥तुमजानतहौसदप्रवा
ना॥विनाग्यानन हीसदसमाना॥ग्यान
सदघटमाहिसमाना॥सोपावैगुरपह
निर्वाना॥माथेतिलकगरेजपमाला॥ह
येपकंऽनमिलेगुपाला॥॥॥॥हेकं
वीरविचारिकेसुनियौहोधर्मदासा॥स
तसवदजिहिघटवसैताहुपकंऽविनास
॥चौपाइ॥जाकोमनपाळंऽसोरात्ता॥सो
इनर्कमहनिहचैजाता॥पाछंऽहरहेज
गतहीमाही॥सतवचनमानौघटमाही

हानहेयअौरपूजाकरहा॥ पाखंडिय
यमेजीवनहीतरई॥ जोगजुगततीरथ
फिरिग्रावै॥ पावं जिवठौरनपावे॥
यमेहासनि पैसुनि लीजै॥ सतसव
हमोवासाकीजे॥ सतसवदसंत॥ रस
हिजानै॥ नामविनासवकछुवखानै॥
नाम॥ छिनहीअौरहिजानै॥ निरगु
नसरग नरेकाहिमाने॥ अगुनसगुन
तंना जिवा॥ज चीन्हेसो॥ सहमा
रा॥जहांदेवतहास: सरूपा॥ वालन
हारकाग्र चरजरूप॥ घिरजवातक
,नकीनाही॥ वनसतगुरनहीपावे

थाहीं॥ताकों॥निहअघरजवपावही
मिटिहैसकलअंदेसा॥विनसतगुरकृपा॥
हीमिलैयमंदासउपदेसा॥यमंदास
वचन॥ चौपाई॥यमंदासविनतीअ
नुसारा॥अर्जएकसुनियोकरतारा॥सक
लजेहगुरमोहिवताया॥ग्यानजेहमै
नाहिनपाया॥ग्यानजेहमोहिप्रगटव
तावो॥दयासिंधममचिंतवुझावो॥रूपा
नरूपकाहेसोंकहिये॥ग्यानजेहकोसेके
रलहिये॥विनसतगुरकोजेहद्विपावे
किहिविधिमनकीसंसयजावै॥सतगु
र.वचन॥ग्यानवीजजेहैनामसरूपा

दानदेयश्रौरपूजाकरही ॥ पाखंडिय
यमजीवननहीतरई ॥ जोगजुगततीर
थिरिग्रावै ॥ पाखं जिवछै रनपावै ॥
यमदासनि उपेरस्त्रनिलीजै ॥ सतग
हमीवासाकीजै ॥ सतसवदसत रस
हिजानै ॥ नामविनासवऋ० ववानै ॥
नाम धोर्डिन हीओरहिजानै ॥ निरगु
नसरगुनारेकाहिमानै ॥ ऋगुसस० नि
तेंनामनिवा ॥ जचानै सोहंसहज्ञ
रा ॥ जहादेवैतहास : सरूपा ॥ वोलन
हारकाऋ चरज रूप ॥ ऋपचि जवातक
,नकोनाही ॥ वनसतगुरनहीपावै

थाही॥सा॥वौ॥निहअघरजवपावही
मिटिहैसकलअदेस॥विनसतगुरखा
हीमिलैधर्मदासउपदेस॥धर्मदास
वचन॥चौपाई॥धर्मदासविनतीअ
नुसारा॥अर्जऐकसुनियोकरतारा॥सक
लभेदगुरमोहिवतावा॥ग्यानभेदहमै
नाहिनपावा॥ग्यानभेदमोहिप्रगटव
तावौ॥दयासियममभ्रमविवुझावौ॥ग्या
नरूपकाहेसौंकहियै॥ग्यानभेदकोसेक
रलहियै॥विनसतगुरकोभेदहिपावै
किहिविधिमनकौसंसयजावै॥स॥गु
रुवचन॥ग्यानवीजहैनामसरूपा

हान देवऋौरपूजाकरही ॥ पाखंडि
यमजीवन तिरई ॥ जोगजुगततीर
फिरिग्रावै ॥ पावं जिवठौरनपावै ॥
यमदासनि नचेंस्तु जिलीजै ॥ तस
हमोवासाकीजै ॥ सततसवहसत ॥ रस
हिजानै ॥ नामविनासवकछपचानै ॥
नामछोडिनहीऋौरहिजानै ॥ निरगु
नसरग नरेकाहिमानै ॥ ऋगुससगु
तेंनामानिवा ॥ जे वीरोजो सहमा
रा ॥ जहांदेवतहास : सरूपा ॥ वालन
हारकाग्रच जरूप ॥ ग्रचिरजवातक
नकीनाही ॥ वनसतगुरनहीपावै

थाही॥२॥वाँ॥निहग्रंथरजवपावहि
मिटिहैसकलग्रंदेस॥विनसतगुरक
हीमिलैधर्मदासउपदेस॥धर्मदास
वचन॥चौपाई॥धर्मदासविनतीअ
नुसारा॥अजरैकसुनियोकरतारा॥सक
लजेहगुरमोहिवताया॥ग्यानजेहमे
नाहिनपाया॥ग्यानजेहमोहिप्रगटव
तावै॥दयासियममविवबुझावै॥ग्या
नरूपकाहेसोंकहियै॥ग्यानजेहकैसेक
रलहियै॥विनसतगुरकोजेहहिपावै
किहिविधिमनकोसंसयजावै॥२॥गु
रुवचन॥ग्यानवीजहैनामसरूपा

समुझत नहि ग्यान की वाती ॥ ग्यानी
जव कर अभिमाना ॥ असम नाहिन
को ग्याना ॥ संजात रपन औ टकर्म
न वेद विचार सदा ९ ॥ चियमा ॥ ५
मैं विचा [illegible] ग्यान बखानै ॥ यमैं विया
नकिसा बहु ग्यानै ॥ पिन जगत की न्हजि
यनारा ॥ मन मैं की न्ह बहुत हंकारा ॥
हमसन कोई नाहि कुलीन ॥ पिन नर्कि
य बहुतै लवलीना ॥ वेद सास्त्र हमनीकै
जाना ॥ [illegible] ग्यान ना [illegible] नना ॥
॥ वसंत जो जाचक आ [illegible] हृद
कि बहुतारी सियाँ ॥ इनतौ न पूक्त मैं बहु

कीन्हा॥मूड़ मुड़ाय दूपी दीन्हा॥जाति पातकी लज्या त्यागी॥निसदिन फिरहि नाम अनुरागी॥ताते इन्है न मानत कोई॥पेट के कारन जात विगोई॥जात समान नहीं और विचारा॥ताते ब्रह्मन जात सहारा॥यह मत सब ब्राह्मन गहि लीन्हा॥जाते सिष्ट कर्म मंह हीन्हा॥जिन प्रभु रच्यो सकल संसारा॥ति नहि विसारि कु रहे का रा॥प्रभु हि छोडि चित अंतहि वासी॥जन्म अनेग फिरहि चौरासी॥ब्राह्मन प्रभु की भक्ति न जानी॥ब्रह्म रूप ना ही पहिचानी॥छत्री धर्म सुनो विवहारा॥

सभुमत नहिंग्यान की वाती ॥ गयन्नी
जवधार ग्रभिमाना ॥ हमसमना ॥ नि
को ग्याना ॥ संकातरपन ग्रौ ॥ टकर्म
॥ नवेदविचारसहा ॥ चियमा ॥
म्रैंविचारकरग्यान ॥ बधाने ॥ यमविया
नकिसावहुग्याने ॥ पि ॥ नगतकी नहुजे
यनारा ॥ मनमोकी ॥ ज्वहुत संकारा ॥
स्वजनको नाहिं लीन ॥ पिन गांठ
वहुतैलवलीना ॥ वेदसास्त्रहमनीके
जान ॥ ग्रौरग्यान नाहीसुनजाना ॥
सायसंत जोजाचक ग्रा ॥ तेजन दूह
षिवहुतारीसियो ॥ इनतो न चूकभवहु

कीन्हा॥भुजभुजायैदृपीद्दीन्हा॥जात
पातकीलज्यात्यागी॥निसदिनफिरहि
नाभअनुरागी॥ताते इन्हेंन मानतको
ई॥पेटकेकारनजातविगोई॥जातसमा
ननहीअौरविचारा॥तातेंब्रह्मनजातस
म्हारा॥यहमतसबब्राह्मणगहिलीन्हा॥
जातेंसिद्धकर्ममंहदीन्हा जिनप्रभुरचो
सकलसंसारा॥तिनहिंविसारिकुडहका
रा॥प्रभुहिछोडिचितअंतहिवासी॥ज
न्मअनेगफिरहिचौरासी॥ब्राह्मनप्र
भुकीजगतिनजानी॥ब्रह्मरूपनाहीप
हिचानी॥धन्नायमंसनोधिवहारा॥

सम्रुभत नाहिं ग्यान कोवाती ॥ गएहै
जवकार अभिमाना ॥ अजस्रधा हि
को ग्याना ॥ संकात रपन और टकर्म
जवेद विचार सदा ॥ चितमा ॥
म्रौंविचार कर ग्यान ॥ बाते ॥ धर्मवित
नाकैसाव ॥ ग्यानौ ॥ पि मगत की नजि
यनारा ॥ मनमें की ॥ वहुतसंसारा ॥
हमसनको नाहिं ॥ लीन ॥ पिनि नष्ठि
यहु तेलवलीना ॥ वेद सास्त्र हमनी कै
जाना ॥ और ग्यान नाहीं सुनजाना ॥
साधसंतजोजाचकआई ॥ तिनकूं दे
सेवहतारीसियो ॥ इनतो ॥ पूजकर्मवहु

कीन्हा॥ऽ॥ऽ॥ वै दृपी दीन्हा॥जा॥
पातकीलज्यात्यागी॥निसदि नफिरहि
नाभक्त्रनुरागी॥ताते इन्हैन मानतकी
ई॥पेटकेकारनजातबिगोई॥जातसमा
ननहीऔरबिचारा॥तातेब्रह्मनजातस
हारा॥यहमतसबब्राह्मगहिलीन्हा॥
जातेसिष्टकर्मभंगहीन्हा जिनप्रभुरचे
सकलसंसारा॥तिनाहिबिसारिकर्महेभा
रा॥प्रभुहिकोउचितत्र्रंतहिबिसारा॥ज
न्मत्र्रनेगफिरहिचौरासी॥ब्राह्मन
कीगतिनजानी॥ब्रह्मरूपक्‍यों
हिचानी॥धर्मायमसुबोधिकहरा॥

गउ ब्राह्मन के रखवारा ॥ गउ मारिहि
खाचित माउा ॥ काल माहि छत्रीयर्म
हियरा ॥ पाहि नसांजर खावा ॥ पाठ
छत्रीयर्म कहौं रहोजानी ॥ आनी का
नियाआन धरजा ॥ छत्रीय मतैवनसि
नाई ॥ यर्म न करै नगर कैहै मानै ॥ अ
पनै मन महगपान व मानै ॥ जोग रषिलै
तौ गपान लषावै ॥ व रिनजो नासंकट
आवै ॥ रव्वनाम कोक नैवैरा ॥ चारो
यर्म तासके चेरा ॥ रवाहियर्मसर्वहि
कोप जा ॥ पारौ यर्मसाट कैसरना
मायन की सेवा नहीं करई ॥ वहृग्र

त्रिमांनहियेमौंवरई॥साषी॥नम्तरू
पचीन्हानहीचालचलैकछम्रानां॥
छत्रीगयेग्रभिमानमौंकहैकवीर॥
वमांनी॥चौपाई॥तातेपरसरामग्रोत
रा॥उनछत्रन्हकोपीन्हसंघारा॥पारि
नवुढनकोजयेकाल॥छत्रीमारिविप्रप्र
तिपाल॥मुरखका हुग्यानन चीन्हा॥
सतजगतिपरचितनहीदीन्हा॥कोटिन
हत्याछत्रीकरई॥तीनहुलोकवडाई
यारई॥छत्रीसोइछिमाजोहिम्रावै॥प
रजह्वीतम्रापहुबापावै॥वैस्यपुर्भम्र
ववेहवमानार्धिनजानमनम्रोरन

जमनलाई॥ वहुत भांति सौं पूजहि जाई॥ पारसनाथ परम गुरु ग्यानी॥ ताकी नहीं पावहि सहदानी॥ ताके कर्म काट सव जाई॥ सतगुरु चरन रहै लव लाई॥ कव हूं भ्राप करता ह्वै रतै॥ कव हूं जीव स्वरूप वनल रतै॥ जव सतगुरु की दाया होई॥ अघर भेद पावहै सो ई॥ ब्राह्मन छत्री वैस समाना॥ अछर भेद नाहि पहिचाना॥ १॥ अछर भेद न पावही करै वहुत अभिमान॥ धर्म सवै वे नष्ट हैं॥ सत वचन परवान॥ पाइ॥ चारि वरन मैं सूद्र प्रवीना॥ सेवा करै वहुत लव लीना॥ जिन्हहि गणित सतगुर की

पाई। चारिवरनमैंसोअयिकोई। सू च
सेवाचितमैंवर ब्राम्हनकीसेवासौं
करई। घनीसौजोकरैंहिताई। नितनेम
जोप्रेमवढाई। वैंसतयमैंहैंवियकीपूजै
सतिजुगमैंब्राम्हनकीज। औसेंऽ छहित्र
हायमाना। ब्रह्मनकीसेवाचितआन।
कलिजुगमाहिसुद्रअयिकारा। तीनिय
र्मकोजयोसिंधारा। यन्यसुद्रजोसेवाकर
ई। यहतोकरनीसुद्रकी। सुनियो
हि रैदास। सतगुरचरनजोसेपहा
सतलोकहंवास। यरैदाससु
कितओतारा। सुद्रगेहतुम। अवतारा।

सतेगतिजोचितमहियरीहै॥तुम्हारेप
धैंव्रह्मरातरीहै॥तुम्हारेपाछेचनीतार
तुम्हारेपाछेपैसउवारा॥चारोवर्नम्की
तुमहोई॥जोकोईतुम्हारेवचनसमोई॥
॥सर्वी॥जवप्रानीजन्मतगयोसुद्रस
कलसंसारा॥कहैकवीरतववाचिहैयु
र्मद्दासपरवार॥चौपाई॥यहतुमसुनौ
वरनकरलेखा॥मुक्तनेहतुमकरहुवि
वेखा॥तुम्हारेसिसवसवजोपावै॥विना
सद्गनहीसिष्यकहावै॥सद्गनेहजोपा
वैअंगा॥ताकेकालनहोप्रसंगा॥विन
अधरसवकोद्रसहोई॥यहविपसव

हीजायबिगो । औरसकलहैंजमकी

यारा । तिनहिंकालयरिकरैंग्रहारा ।

[illegible] यमैंहारै. बिनतीकर

जोरी । स्वामीसादिये बिनतीमोरी । तुम

दयालहोअंतरजामी । करहुकृपामोपा

मोपरअवस्वामी । तुम्हरेवचनमुक्त

हमपावा । हमरेवंसकोस. कोनपावा

[illegible] तै सत्य रमेसकहि

वेली० । अवमैंकहौंवंसकरचानी

जिहिंवे [illegible] यरेजाई । सोअव

तो [illegible] थमहीवंसगया

नमनलावै । स. जसमायपरमपद

पावै।।निरमायाहुइजगसोंरहई।।मो
हत्रीतिमनहर्षनसरई।।जोमानैतौत्र्प
तिगलजाना।।नहीमानैतौसमताणपा
जोकोईनामकवीरहियधरई।।तासोंकहु
नग्रंतरकर।।त्र्प्रासाधोउनामलोलागौ
।।है हद्धोउसतलोकहिपागौ।।जोमन
कैकारिहैहंकारा।।निहचैंवुडैसवपार
वारा।।सतत्र्गतिसतहिमनलावै।।त्र्प्र
पतरैंत्र्प्रौरजियमुकतावै।।जोकोईमाया
त्र्पानिचढावै।।सावनकोसवहैयलू
टावै।।सतवचनसवसोपुनित्र्पावै।।
सतनाममनमैत्र्प्रभिलावै।।वयहुन

कोयकरैमन [illegible] ।। जौयोलैसाणप्रान
की [illegible] ।।ही।। ग्यानविचारैसकु नावै।।
सवजीवनक [illegible] लोकापणवै।। मरेकु
ल [illegible] तिन [illegible] णजव [illegible]
प [illegible] सोइ ।। ण जहि क्रिय जातिन [illegible]
अभिमानाहिसोजाइविगोई।।तवअप
नवहहुतपनाई।।घलवलभरवहत
वाआई।।सारस सानिकटनजाई।।मा
गैहुतरहैपघता [illegible] सारसहजा [illegible]
टमाही।।ताकेनिकटहुतनहीजाही।।
वंसतमारकेरयहलेखा।।विनाना
मनी ,होयविवेखा।।जाकोअभरनाम

मिलिगयउग्रासोप्रानीनिरसंसयभय
छ्वा। ग्रमरसदजाघ्रपरगासा॥ तहावा
हैनिजहमरोवासा॥ छंद॥ जोग्रमर
सदनपायहैं॥ सोग्रंयकुयपछितायं
हौ॥ जन्मजन्मनकचूवहुतौ॥ जराम
रनसमायहौ॥ ग्रंसवंसनहंसपंगत
कहीसवहरसायकै॥ यहैरहनरहै
सोलोकपहुचै॥ कहैकवीरसमुझा
ईकै॥ एतेग्रा ग्रमरमुलगंथनामवं
समहिमावरनिंसप्तमोविश्रामा॥७
॥ धर्मदासोवचनं॥ चौपाई॥ धर्मदा
सविनवैकरजोरी॥ स्वामीविनतीसुनी

ऐमोरी।।जानुमकहीसतपरवान।।
गुरकवचनसतपरमान।।हंसज
नीपुरसगुरमाही।।तुम्हरीदया।।स
तजाही।।तुम्हहिपुरसकछुअंतरना
ही।।हमरहिलवहपारब्रह्म।।ही।।ह
मसवकियगुरकेपासा।।तुम्हरीह
यालोकरहिवासा।।तुमसाहिवहोस
वरसबघट।।तुमविनहंसपौनक
ताई।।हमरेवालकतुम्हरेपाछे।।सत
गुरुवचनजा।।तवसाहिवअसकहीव
भाई।।वंसतुम्ह।।रमुक्तिसवपाई।।जो
कोउपावनपावहिंतुम्हारा।।तिनसो

पंथहोईउजियारा॥पंथमाहिजेवाल
कआवैं॥तेतुववंसनमाथनवावैं॥
तिनिसोंजगतिमर्जादहोई॥सादसद
चलिहैंनिजसोई॥नादकेरिवालक
जोहोई॥तिनिकीमुक्तनामसोंसोई॥ना
दसनेहीसदृढ़निजाना॥भवसागरतजि
लोकपयाना॥विंदकेवालकरहुमरु
काई॥मानगुमानऔरप्रभुताई॥वे
तोकहैंहमसमनहीआना॥सतगुर

यैमोरी॥ जोतुमकहीसतपरवाना॥
गुरकवचनसत ।मभान॥ हमजा
नीपुरसगुरमाही॥ तुम्हरीदया ।स
तजाही॥ तुम्हहिपुरसकछुअंतरना
ही॥ हमरहिलवहपा [illegible]ही॥ ह
मसवकियगुरकेपास॥ तुम्हरीह
यालोकरहिवास॥ तुमसाहिवहोस
वसमरथ॥ तुमावं० हंसकोन-क
ताई॥ हमरेवालकातुम्हरेपाई॥ सत
गुरवचनां॥ तवसा॥ [illegible]हीव
काई॥ वंसतुम्ह[illegible]सवपाई॥ जो
कोउवाणपाहीपाउम्हारा॥ तिनसो

पंथ होई उजियारा ॥ पंथ माहि जे बाल
क आवैं ॥ तेतु वर्वंसन माथ नवावैं ॥
तिनि सौं जगति मर्जाद होई ॥ सादसद्
चलि है निज सोई ॥ नाद केरि वालक
जो होई ॥ तिनि को मुक्त नाम सौं सोई ॥ ना
दसं नेही सद हिं जाना ॥ भवसागर तजि
लोक पयाना ॥ बिंदु के बालक रहु अरु
काई ॥ मानगुमान और प्रभुताई ॥ वे
तौ कहै हम समन हीं आना ॥ सतगुर
वचन प्रतीत न माना ॥ नत सवद हि
वालक जानी ॥ सोई यह पाव लोक सहि
दानी ॥ जिहि वालक परवाना पावा ॥

ताकहुजान ।वंससुभावा॥स्वामी॥ह
मरवालकाना।केऔरसकलसबमु
षा॥सतसबदकहुजानहीकालगहैन
हीवह ॥चौपाई॥ वचघाससु नसबद
पसा॥ विनासबदनहीउतरेपारा॥पुम
विनसबदमुक्तनहीपावै॥कितनौज्ञान
गम्पकैलावै॥वंसअरसहुजनजा
ना॥विनासबदनहिवंससमाना॥यमें
हासनिरमोहीहोउ॥वंससोचचितधाउ
सोऊ॥पुमतौजवसबदसमाना॥यहै
वचना॥मचितनहिआना॥स्वामीकहैं
सुनुधर्मदासा॥मतोजवहीसबदतपसाइ

मैपुकौजिह्निसंसवजाई॥तुम्हरीदया आजजोपाऊ॥तौसववालकलोकप ठाऊ॥सतगुरोवचनां॥नवसाहिवअ सकहिसमुझाई॥विनानामनहिलोक समाई॥नाहदविंदकेवालकहोई॥विना नामकछुमुक्तन होई॥केतोपढैगुने औगावै॥नामविनानवजटकावै॥ हमकोंमायामोहनहोई॥सवसंसार सत्तहैसोई॥यमैदुसतुमवडहोयानी यहसंसयकसमनमहिआनी॥गुरव है जा॥सवनकरहोई॥तुममनमैंपद्य तावनकोई॥तारनतनसत्तहमसोई॥

बिनसतगुरबूडासबको ॥सतगुर
तौसबसिष्ठउबारा॥तु॰ बालकश्र
बकबनैगारा॥ ॰जिनेचिंतामन
महकार ॥सतगुरचरनहरदैमह
यर ॥एककालआवहिजबगाई॥
सबै निष्पयहलोकसमाहाजहलगि
जावजंतसबकाहैयौ॥ ॰लगिसब
सतगुर॰हिलाहियै॥नरैभारसतगु
कांकांयै॥पारलगावहिजमकांहवां
यौ॥जमकाश्रमलछुटिजबजा॥
सतगुरसरनजीवजबआई॥
॥का॰ कबीरविचारिकैकहसदियौहो

यर्भदासा॥अभरमूलजोजानह्री
ताकोसरप्रकासा॥चौ॥पाई॥यभ
[illegible]॥यर्भदासविनवै
रजोरी॥इकविनतीसाहिवसूनमो
री॥तुमसिरआहिजगतकोनारा॥
सवजीवनकोकरोउवारा॥हमकें
हनहिंगुरुवाईदीजे॥आपनभार
आपसिरलीजे॥सतगुरोवयना॥
तवसतगुरअसवचनउचारा॥
तुमकेंहूंहीनजगतकोनारा॥तुम्ह
रीमूहरचलैसंसारा॥अघरअघ
रकरोपुकारा॥तुम्हरेकहैवोजजो॥

केर [illegible] प्रहरपाई हंसजनसरई जो
नू [illegible] मानेक हातुम्मारा सा चलि
जै जम [illegible] धारा [illegible] महा सो [illegible]
यमघासविनती ऋ० सारा [illegible] रस
म्रष [illegible] रावालिचारो [illegible] मतोसस
लोक [illegible] वासी किहिकारन [illegible]
विनासी म्रतलोकमे [illegible] वनेका
जा [illegible] मरा [illegible] पापीरजा [illegible] यां
कव नकाजपगुयारी सो मोहि [illegible]
मीक होविचारी [illegible] मसाहिवस
८ रसका [illegible] म्रतलोकमहका
ऋ. १९ [illegible] तवसाहेव

सांई॥ अथ वय हरपान सु
ई॥ जव न ही हतो सुन्य वे
न हीं यरती गगन अ्रकस॥
नहिं न कैलासा॥ तव नहिं
रागन॥ तव नहिं सेसस
रन॥ तव नहीं इंद्र कुवेर
यव कनत हां वा नहिं को
पंद्र हती थि नाही॥ आदि
लकी छाही॥ तव नही
हंसा॥ आदि जवानि नगव
गाहि पुरस जव हते अकेला
ता नहिं चेला॥ आप पुरस

ग्र सकीठ ।सजा॥ सष्टहितैंग्रजयोलो
कविराजा॥ प्रथमहिसुरतसद्ग्रनुसार
तेहिपाछेंसवद्दीपसम्हारा॥ तापीछेंम
योसहजसरूपा॥ तेहिपाछें रम्हकर
रूपा॥ तवजलरंगसुरतइककाव॥ स
पतालकनीचैंरजा॥ त तेंमवजल
करविचारा॥ सकलसि कौनयोपसा
रा॥ त तेतेजततग्रनुसारा॥ तेजाहिगुन
तं ग्रल्लग्रवं ।र॥ पांचततंसवनिरमा
या॥ तीनोग नातिहिमहिसमाया॥ ब्रह्मवि
ष्णु महेसुरनामा॥ तानउग नसरूप
केयामा॥ रजग नंतेवरनाउतिपानां

सतगुनजायविलम्करजाई।।

नासिवसंघारपसारा।

लसंसारा।।तेजकेरव

तातेंजयोजीविदुवद्धा

याचितआई।।हेसु

ई।।यातेंहमम्रत

कारनमोहपचई

हिआरे।।पवनेह

कुमहंसन

तनामसम

जाई।।सार

करनसंसाररहीआवा नामपनसे हं
सच्चुप जोतुमकहोकहेआ साको क
आपामना पुरसकीलीन्हा पुरससहु
साजीवउचर कपावुनवतको
रा यह चरीतकछुकहन
जपलापुरसनीरम आ
होफला प भरांकरे
पहीसकलकभवसीहोई
वकरैसवको आपुहीक
सनै आपनैआपुआपनपै

३ ।। आपहीनीहपा आपहीपानी ।।
आपहीवर्मआवमवव.जो आपके
आपनीअ स्तुतीकरहु ।। आपहीमुख
चतुरातयरा ।। आप कुलांनआ ! आ
कुलांनी ।। आपुवनवर्मआ गहीन
सतीकुलुआपुआतो ।। वा ।। आपही
सतो सतीसह वा ।। वहै मेहप है
सोई ।। सतगुरमीलेजहीकहोई ।। या
है मेहजनट मनीलेउजनी ।। नारम
लंजलगंगा मनमीनी ।। वहै गपानमे
तो सेनुवा ।। वारालेजनजनेइहुमे
य ।। याहैमताणुसातुमरवोतु ।। हम

ऊमनौ॥ अ्रतमगपानजहीकहहै
तकहकलानाचपैकोई॥ अैसीयर
नीयरौयमीसू॥ गोसगरातजीहोतै
उदसू॥ सकलपासरासूनीसामना
सूनीहीसहूपाहीचनासूनीसीवीरी
कीऐँरीपवै॥ देहघोजीसतीलोकासी
यावै॥ यमंद्या
साकहैसूनोगोसई॥ अ्रतमगपानग
मीनहीपड़॥ अ्रतमगपानमोहीस
मूजाउ॥ जतेसकलाहंसामूकतउ॥
यमूहासालाहू
माताग्रपारा॥ तकरामैग्रवकाहो

वीचारा॥तवसाहेवद्या चतन्नई
न्नतामग्पानतेहीसमुजाई॥समत्र
गमीजनीजवपवै॥न्नतमग्पाना
तावघटहीसेवै॥सतीसद्दजवर
हैसवई॥सवहीॐवलोकहेगाई॥
सतमीतरैकैकैजनौ॥सचुमुगरैकै
कारीमना॥सँचकुमद्दनौमीटीगरे
उ॥द्दवीप्पानजकेटगरेउन्नपुहीसी
बा॥न्नपुहेसवैन्नपैहेवान्नपहीन्न
पालगवहीलेवा॥न्नपहीसूत्रकन
रमावै॥न्नपन्नानहेमुकीसमवै
न्नपहीद्यतन्नपुन्नहीजुगता॥न्नप

ईायाहैमेहोमममोहीसुनाई।।हीराहे
कपलामोराम्रनीजुडाव।।ऐसास
हृजोमोहीसुनवा।।रेकावचनभैपुछे।
गोसाई।।सोईसहृतुममोहीसुनाई।।
तुमजोकहसावव्रह्मसामाना।।जीव
रुपाकीमीहोम्रगपाना।।कवहृम्रग्या
नरुपहोईवराता।।कवहृग्यानीहोई
ग्यानकरता।।कवहृकाहैया।।हृव्रंम्ह

तवोचा० [illegible]

हैकवी रुऔयमघाट[illegible] ।। गेह

कहोत्पमपस ।। श्र० रूपदैवीजा

समना ।। परावृग्भ्रकुरापद[illegible]ना ।। त ।।म

हृपत्तदुईकीन्हा ।। ऐकसत्तीऐकसेवकर्च

० [illegible]रसपत्तदवापृहीसामना ।। मूल

व्रीघा रु रामजना ।। तमेपचऽरानी

रामवा ।। प्रकट ।। प्रहेसवैउपजवा ।।

प्रथमैवई पाजाकीन्हा ।। वईकेमये

तेजतावकी० ।। तेजाकेमयेनीरानी

रामावा ।। नीराकेमयेप्रीथीनिरमवे

तैसेवीजतवीरीघानीरामवा ।। तैसे

यंत्रीसवेउपजया॥ औसेउतपनसबां
कीहोई॥यो वेमेसवागरेवीगोई॥ कर्मं
हालपचनां॥सतगुरजकह्याकीन्हो
स[illegible]गेहपावैताचाचीन्हे॥ततामहे
[illegible]वावै॥हदमहीअनहदकाप
[illegible]अनयामेटीकैग्रंथपतवै॥लघु
हाराधापरससमझवै॥पुरानग्यान
[illegible]दीघटहोई॥सतगुरगेहकहपवै॥
सोई॥ब्रंम्हग्यानकैथु मुकीनहोई॥कै
॥संतक्षकहपवैसोई॥ग्यानाकीमहीम।
कहीनजई॥ग्यानगमीतेसहाहीपइ॥
सहसारनीश्नमोलीकापवै॥सोहंस

तेपद
सतीलोकसीयावे॥ ॥ तेपद
चैसतीलोककोकालमरामनहीज
नी॥ तेहंसाअवरानमरे॥ सतीपु
रसाकेप्याना॥ ॥ धर्मदास
कहेसुनोगोसई॥ अपुअपुनपोस
वावीसाराई॥ सतगुरजापेदायाकी
न्हा॥ तीनपयानीजावीजकचीन्हा
सुधीमरुपाहरासजावअवे॥ लघ
तामीलीहीराघापदपावे॥ लघामता
पुअवेकसे॥ अंमुकीपरेधुरकाही
रैतैसे॥ ॥ कहैकबी
रसुनुसुकीतावनी॥ रैहीघाटास

म्फीलेहसहीइनी॥संध्रीमरुपास
इकराम्रहीं॥सतगरमीलैलसवैतही
॥स्रतीनीरातीजवासहुसामना॥ग्र
हंकरामनकेरावीलना॥हीनम्रवग
तीतवाम्रई॥सवघटम्रतमरेकसम
ई॥फुरानागपानजी हीघटाहोई॥तता
म्राहनेइपईहेसोई॥ग्यानगामीतेमा
याहजनी॥म्रवघटाम्रतमरेसमना
॥सोहंसासतीलोकसीयावै॥इवाय
नवसवैवीसारावै॥घ्रडा॥नवइज
गजहयमानी॥ऐकवंमावीचरीकै॥
इमीजीवजगमेटचीरै॥जलवहरी

वुध साम ॥ प्रमता॰ साम्प्रता॥ ज

मांभानातीन॥ कस चाउठल कीज

वम्प्रपुचीनै॥ नवदुसरानसी हो॥

॥हुसकी॥ ।मीलिभयरालमवत

ल॥कंचन॰ रौराम्प्रजसन॥जीवव्रम

मीमेला॥पुहुपहमवेजीवसना

॥हेतमा॥ मम्प्रभुबेर मुला म्प्रात म॥

जवहाजा॥ नम्प्रहमौमी॥ हमाचो

॥हुता॥ सिहासौवलजो॥ म्प्रराज

रेकमैकरौणोसा॥ क्रौपसीयामोह

क ॥सा॥भुजाइ॥जीवसीवकोभेद

जनी॥कैसेगपानक ॥फिरपनगणा॥

सो जेहवतवै॥ यहै ग्यानकमो
...वौ॥सतग..रावजतो॥यमे
दासस्बार्‍ धीतलाई॥जीवसीवमे
...सेसमजई॥पचततगुनतीनीजोस
ततेसीसी स्रीकीन्ही उपराजी॥स्
ातीगुना सो सीवकहवै॥राजत
मीसीरीताजीववानवै॥सतरजा
तीनीउतेन्पारा॥परब्रम्हसवा
जतेपैरा॥पराब्रम्ह ग्रसाकीन्हस
मजा॥तीगुनरुपकरीसी स्रीउपराजी
उपजीसीस्रीगुनानकीबानी॥ताते
जीववुधीकरीजनी॥जीयसीवरवै

...बीतताजजैसौ।।जीनग्यानमु
लीद्दनीऊई। ततग्यानजाकेघटहो
ई। जीवसीवकाद्दजनैसो। जीवसी
वकद्दजनेसोई। चीनततत।। नैनही
के। ...तौजातनाव...लोई। नर्भ
हीनर्मभूलासंसारा। अपनचीनेजु
लेगयरा। सवकू...तंजवज
ई। ब्रंम्हमेंहाक...वैना...ब्रंम।।
गयानजाकेघटाहोई। परामपुरुसक
ह्जनैसोई। सीतीसद्दकोमर्मजीनजा
ना। ब्रं...ऊणवसाना।
सवमैब्रं। राहनावपुरी। वहेरामी

तारलता हजुरी॥ दूजा कीता है जैसे कोई॥ सती सदूजके घाट होई॥ जको हंमस तागरह्या कीन्हा॥ अमर मेहा ती नही पुनी चीन्हा॥ अमर मेहल सो पवे जो ई॥ सतगुर मही मान ही लखी पई॥ सं चात्राय रस्सबधो ही॥ सतगुर म ही मान ही लमी पई॥ सो कसा लोक पहूचीह जई॥ यह ग्यान यमी नी सू नी लाहू॥ सवक हू सती सहू कहीहे हू॥ मीथ्यागपान करो उपादेस॥ तो न ही पहूचो लोक सदेस॥ जो तुम्ह का जा अपन चहहू॥ तो जीवन क सतीला

खवह्न जोकाईसद्दसुनैतुमापर
सो कारी लोका हीवासा जक
नाग्पानिघट जरेउ कारी प्रतीता
नीजाघ नागरउ अनमोल

२ ८

कंचनअपवटीअअमनीजाई औसेजी
ववंम्भमीलीग इवीय भवनोर्के
राहीया संसैमेटीअंमरपाहलहीया
अमरमुलअंमरकाया अमरसद
जीवनहंसापया अमरसद्दसतगु
रसोपवै वीनसतगुरसवमुलअस

हंसग्प्रछेदा॥ ... पर्म
दासवीनातीग्प्रनुसारी॥ हंसतगुरमै
प्रमपवलहरी॥ सतगुनयर्ममो ऐस
मुकाइ॥ जे ... जरं ... मांटीज ...
... पर्मदासचीतालेछवी
चारी॥ सतौग नयर्म ... नीरयरी
प्रथमैमोजानसातौग्गुनकारही॥
राजग न जोजनक्षवपरा ...
जग नेजाजान ... सतोग
... उतांमाचा ...
कुलग्प्र ... वरीघनीकैताहम
... गई॥ उतीमैचौकीकीणपयहम

ती॥सद्द्वोलामनाकीन्हेसती॥ इ
यथाऽमीलीग्रसनाकरावै॥ज
सोपहीऐसतोग्यनगवै॥जेतनीद्धु
यहोईघटप्रनी॥लेईग्रहरासोईऊ
नामनी॥सद्द्वोलीप्रसादचाढवे
नाजीवातेम्रतमनीगवे॥गर्जीन
होतोजलगरीम्रनी॥गुरकीदयाम्र
यीकसुनमनी॥उग्रलेईवाहुतें
सुवमनौ॥ऐहीवीयीकहीऐसात
काग्यानौ॥तीसारेजगाम्रँग्यागताक
हेई॥तवप्रसादपत्तकरलेई॥म्रँग्या
गतनहीहेम्रपावै॥राजसायर्मीन्न

ककजावै सतगुनयुर्मछुटीजवाज
ई राजसतमासाजईसर्मे सतेगु
यर्माकरैप्रतीपला नेहचैपवैलो
कारासाला चेतानीपुरुस
वाई डुवीयगवासवैमी
राजगुनतामगुनसतगु
सवमीटीजकुपाजोपैरे
मजुताकारीडार जुनवता
[illegible]
र्मेमेटीजसोई वेहसहस्त्रसवाक
हेववनी वैचनवीलासाकहैसव
ग्यानी धईसहस्त्रमीलीजागरक

नीनेहीनाम
साहेब

नैंा॥ ब्रंम्हरूपाकहूनाहीचीन्हा॥
चीन्हैंतौजयाहूसराहोइ॥ गमेंवा
हीकरैनरालोई॥ सबकोब्रंम्हप्रचं
डीतकहई॥ मंडीतगणानामेनीसृष्टी
राहई॥ तकीयताकहैप्रवनाकेण
नछोडैम्हरूआगणाना॥ म्हरूआका
मीकहीरैभई॥ ब्रंम्हसबनमेरह
साभई॥ अपहीम्हरसअपपहीअप्राणी
अपहीकचसवकहैवसाणी॥ अप
पहीउचानीचाहेमालवे॥ अपपाण
नीहोजासामझावै॥ अपैवुझैअप
हूनंही॥ अपहीअपामेसकर

म ं ऋपहीसुभीराना फरैवर्द

जपातपग्पानऋपागवर ऋरगनदे

कसावऋपुहीवासा वजांगरासहो

कारैतमसा ऋपुतामासाऋपलया

ऋपहाफ तासावासहीसमाया ऋ

पुऋपुकोचीनैनही ऋपाहीगुानी

ऋपसमहो ऋपदपपनपौची

कीकै ऋप ंमहोईजाई पानच

ऋपकहे परमम मेजई

ऋ थवोहुणांमहीनाग ऋपुऋ

थकोईभथासुनङ ऋप ंमनहर

पावनाया कुजाहाइकीजगतहेवाय

ऐसनावचीयतैकीर्न्हा॥ततैकोईन
पवैचीर्न्हा॥सा॰॥आपसकलजंआ
पीया॥आपाहीअलखाआपारा॥आ
पहीजगउपाजवही॥आपहीहसा
अवतारा॥चौ॰२॥आपहीहैवहत्त
संघरा॥आपाहीजुथकीन्हाआसारार
आपहीमहिमराथापकराया॥पंडौको
सुमागप्रानसुनाया॥आपहीकावरै
पांडौमरैउ॥आपाहीद्रौसावनसो
कीरैउ॥आपैजैअहंकारासहया॥आ

६पटवै॥ अपहीगवावुअनसर
अपअमी रुपवणीछुवरा॥ अपले
वैअपेम॥ अपअतीतपसेवकर
अपहीमाइअप तेवंठ॥ अपअतं
ता॥ अपहीखाह॥ अपाहीसटमीण
मारु॥ अपहीसवाखहा॥ रीझरिह
अ॥ हालाहीराग नेहछैल॥ अपहीह
हानीकटहालेवा॥ अ॥ हीसकलोवे
६पराना॥ अ॥ हीपोलीअपवामान
ना॥ अपुछइसह॥ नवै॥ पेहावी
मे६कोमपानसुनवै॥ अपहमजाता
अपहीहरा॥ अ पातेअपहीय॥

सा॥ऐसीमहीमाब्रंम्हकीकहं तकहीनहीजई॥जोकोईयाहमता समझीहैतेइब्रंम्हसमई॥चो॥पाइ॥ अखंडब्रंम्हअखंडनहीहोई॥खंडीता ब्रंम्हथ्यावैसवकोई॥अपहीकहै ब्रंम्हअखंड॥अपहीखंडताकहै सावखंड॥अपहीमनसरुपकहै वै॥अपहीजगवस्तुगनवै॥आपु होहं॥अवचनवचनहीअवै॥अ पवाचनकहीसवहीसकंवुजवै॥ अपअरुपरुपानहीकोई॥अपुही सकलारुपहसोई॥अपुहीनीराग

नसाराग्जनकहीरे ॥ ग्पानागमीरे ।
यहमतलहीरे ॥ आपहीग्पानमुक्तीके
हता ॥ आपहीहातआप [illegible]
हैकावीर: नायमीहसौ ॥ ऐसाग्पा
न: २८ प्रारोप्रगासा ॥ महास [illegible]
[illegible] ॥ महासवीनतीग्र: सारी ॥ सा
वामैतम्हरीवलीहरी ॥ यहमता
कीम्र. गभावतवा ॥ हाराहेकवल
[illegible] ग्रनाजज [illegible] ताभैव
गोसाई सोहं ॥ जोसंसैजाई
भसावग्र: ॥ जाकहीसमुणाव
मोरेमननहचेवहम्रवा ॥ [illegible]

सोकसाक होगो सई मद
कहन हीजई मैं जानौ
हय अवरजीवन हो
या तकरामो हाका हैं
हंसनासोका होसहै
धर्मदासवचन
जोमनैक्षोसतीस्कस
नैक हतुम्हरा फारि
रवरा तुमधर्मदास
सोयौ तवतुमसब
यौ जोतुम्हरामना
तवतकापंथचलै

जवभक्तकासेद [illegible] मीज
जवमनक ५ मोयौंहू । सफलनाम
मीटीज । एकनमकसेवहू । अव
गावनमांर [illegible] ५ मैंहासमै
कहोनीवारा । जसेहंस [illegible] हेर
मुक्ती होईसतीनमैंपवे [illegible] रीनजु
ईनीसफटाऊ व । यमैंहासोवचनो
यमहंसफाहै ५ नोगास । मुक्तीव
दा सोमाहीस [illegible] तौ मुक्तीमे
मकरीठारा । त मतेपरसूपाबनठरा
५ कीकरोजेवव ई यातोहंसोनो
रवंयकसौ । नहीकोइ वंयनको
५ [illegible] संसेभावसौ [illegible] जाणहूट

तुम्हारीदयासोहमजानी॥मुक्तिमुक्ति
देउगर्भमानी॥सतसण रोव
...॥तवाकबीरकहहदसीवानी॥म
ध्यसतुमवदेहौण्पनी॥अवतुम
रेजीआनेहचैअर्ई॥हमजानतुमा
सीर्वाहीमाई॥बीजमंत्तजानेउयम
दास॥अवाकहत्वजौसंतवीलसा॥
जोकहीरैसोवाचानवीलास॥या
हतौसवापदप्रगसा॥गरथकहेउ
सवजागप्रमोया॥जोवमैसपवेसो
यो॥जवकैप्रथनकीर्वनी॥तव
सोपयेनजिसाहछनी॥जवपवेसह

करालेवा तवजन जोहैसवयो
स यवकजोगजगीसवको गै योवा
हानापुनासवा इन योवाकर्मद
र सारा योवकोर्तनगपानापसार
योवा रानर कालाजह्न यावस
स्त्रवेदमतावना कैवयोवासवा
पहैचर्ह योवाकहीसावगपानस
न योवाप्रथमसंचुकरीमने स
ऊयावसावेनसने जसानीरण
नतासा रणनाजवो नोरण नस
रण जयवमनो म्रगुनसजनद
नौमिटीगरख्ठ म्रहां जमजाप चैन
रखु यामहासवपहमतर नोवह

योआगपाना चीतानहेहु॥ प्रथमहीमणतीरु
सरागपाना॥ तेहीपीछेपैदीरीततासमना॥
जवहीततासमठानई॥ तवहीजीवलोक
कहँजई॥ जवहीततासीहैमोम्प्रवै॥ योआ
रुपासवैमीटीजवै॥ जवगुमाम्रपनेतताही
जानौ॥ गुरप्रोसीखीद्योउपहीचानौ॥ तुम
हीसीषीगुरहैसोई॥ तवाहीगुरसीखीसाव
कोई॥ गुरप्रौसीखीरिखावारीजनौ॥ दुजाआ
वसोसावैवीलनौ॥ दुजाजावतसातीहैज
कै॥ नहीसीषीनागुराहैताकै॥ सावीगुर
सीषीकीमहीमाक्षहैषावीरवीचरी॥ श्रंव
रामुलाजोजानह्यीउतरैजौजलापारा॥ दै॥
पाइ॥ तुमाकहैसदृहीन्हाटकासरा॥ सोहैस

रीहै साहजे ।सालोंकानास्तारा है सुमीरा
णाकावलाफ्रेस। तेई कर्म करी सावपद
है थोई जपेक कर्म कटीसवद्वैराद्व वीव्या नस
जेउजीयारा जकोद्ववीव्यानापूगसा प्रप
ही मेसवलोकनवसा। लोका प्रालोकासव
है माई जोनीजनातीनसंसैजई तातसरा
मीरजाहैमाई जतैजनकोपरतीकुमाई
सुमीरनतेसवतमवानसा सुमरणजोवी
वीग्पानपरगासा सुमरण सोजैहैसातीलो
क सुमीरण सोमोटीहैसववयजायमनी
: मीरानाहैउलावद जतः ससवम्कुपातई
प्रबोवीसीजीवपराजनो सुमीरानसा
वनहेपरावनी वस्तारासंकोसवमेलाण
स तैसेग्पानहीएदेराकोसा हीरादे

ग्यानप्रगटजाव होई. कर्मभर्मसावांमीटी
गेसोई। ग्पानद्रुवीजवहीऐप्रणसा॥मोह
तीवराकोजगरऐउवीनसा॥सतीपुरसमह
हंसासामना. हंसापुरसऐकेकारीजन
द्रुवीजयोवमीटीतवगरऐउ॥ऐकरुपामोरेक
समोरेउ॥ [illegible] नावज्ञनाायमेहासावी
नतीग्रनकुसरी॥होसतगुरतक्करीवली
हरी॥ऐकावतप्रवपुछोगोसई॥जेहीतम
नकीसंसैजई॥तुमतोऐकऐकेणहग्पार
ऐकमहतामनीजाहमापावा॥सतलोक
कोकहीठकाना॥केतेवीस्पाराजहोप्रवना।
केतेकउचनीचहैजाई॥सोमोहीसाहेव
देहुवताई॥केतकालवाग्रोचनावई॥

सोसावलेषाकहौसमुफाई
कहैकवीरसुनुसुकृतीतावानी
लोकाकाथातुमसुनवोबहु नीसवा
वीस्थारतोहीसमुफावो लेषानहीअलेषा
वतावो कहीटेतो लेषाहो गई अलेषावा
तमुषाकाहीनाजाई जासोंका हीऐप्रगमात्र
परा तषाअ [illegible] हीपषारा जहँलेषु
तहापरावैहोई अलेषाअतानाहीपवैको
ई ऐकसमैऔसोयमैहासा अपनचीतको
कहोप्रगसा जवमै तीलोकमोराहीया
[illegible] सतीलोकसो
आगेचालीगरेउ अचीरीजाताहवटेषाता
गरेउ सोअचीरीजामोहीकहीनाजाई
तमापुछौतोहेउवतई अैसीवातनका

हूजनी॥ गकहूफीरीपृथीग्रनी॥यमेंह
सप्राम हीतमोरा॥सूनोग्पानयहहैसुग्र
जोरा॥केतेकसतीलोमैहैवा॥पुरसप्रवनन
हीजातवीसेवा॥ग्रैसालोकारैहीवेवहरा॥
ग्रैसाहीरूपातहापुरससंभरा॥तहवहैवा
सूरातीसोगई॥जीनामोहीहीन्होलेलव॥
॥ग्रनंतकलामैहैवेउ॥पुरसलोक
स्पारा॥गनतीकहलागुवीजीरै॥यमेंह
सनीरयरा॥ ॥गनतीकहणनोनी
जयामा॥कोवारानेपुरसप्रवना॥गनतीका
मरजहामीटाई॥सारसहूघाटहीसामई॥
॥जोकछुगनतीग्रवै॥तकोहैसवान
सा॥ग्रनगतीकीमीगनीरै॥ग्रैसासहप्रक

सा वचनामेदपारीपाथा नवा
जेहीतत म मनपतीग्रवा ग्रधडावे
याकामोजनी जीताकारी नवा
नां जूलगुंजमीणपाठ तहलगवीन
सीरा जहलगु मेसप्रेमयाजनी
जोहेवेसाजमेवानी तोजोहुतीयाहे
ई हुतीयाज मेरीसावको ऐकब्रम्हद्वय
ठ होवो छतपतीनाहीसोई न
हाउ तीनहीपरावो नहीग्रपैनहीजई
ठ हीगनतीग्रनगनाय पुजीकेब्रम्हसम
तयहमाग्रगाहीठ पयान जह
हहसा सावठ
मांहवा किलेमां तवा म
चालेग्रपनग्रास्थान लोकांतकाया
पयाना मरगमग्रचा हेमां तकारा

प्रवमैकहोवीवेवा॥ग्रहरबुधी॥नीलावरा
ीनजाई॥कहोसुनोतोकोपतीग्रई॥धर्म
ासामैतोहीसुनावो॥ग्रसाथसाथा॥सेहीहो
पानवुकावो॥तहपाटेवाकवीरकोलोवा॥ग्र
तकवीरकोहेवापोमा॥हमजनीदीहमहीकवी
ु॥जहहेसोतहकवीरसरीरु॥तवग्रपनेची
ाकीन्हावीचरा॥ऐकैपुरससंकलापीस्थारा॥
हुजाग्रपराग्रहेनहीकोई॥सबाघारकेकावी
रासमोई॥॥हमकवीरहमकराता॥सप॥
लासीसीयमहासा॥हुजाग्रवरानहेसीया॥
सतीसहुप्रगासा॥॥नहीकवीरनहीय
र्महासा॥ग्रघरारेकसापलघटव्यासु॥स
तीपुरसवाहीसोकरे॥ग्रहीग्रंताग्रघारग
हीराहीरे॥ग्रघरामुलग्रपरासवछरा॥

ाना ऐहीना.विसं.रवुजा.वा जीनायुमा
ि.नायेओजवा स्सलावतामीख्यावारैमना
काहेकार्व.रयाहम.नाहे मनावासा
मलापासर। जीनायाहामतकोसम्रजीग्र
ग्रगवनोवरी
यमेहासवीनतीकराजोरी वव्धोरास्रण
वीनातमोरी नहचेग्यानमोहीसाजवा रवा
वतग्रवाधजोगोसाई सोसहेवमोहीइउव
नाई ग्रवगवनवाधेनावीयीहोई वहीह
ररुनावोसोई तवसाहेव
कहीवेग्रनधसारा कहोवीचारातसायेउह
र पचततावोपुतरावानया तमेपरगट
पुरसमया तीगुनग्रातमरुपयनई इमर
तहतेमुजगताई हीरहमावलमोरग्रनामु
झनमनवासजीकारहीनहाँ ततेजीयवुयाक

लीन॥अपनारूपा अपनाहीचीन्हा॥ततेअव
गवनकरीरीलीनंहा॥नकोईअवानकोइगया
मनकेमतेजन्मतेजया॥मनहीरूपानीसूरूवव
हाया॥मनहीव्रम्हसरूपेलहीया॥मंकारहेयहस
कलापासरा॥मनहीपपाप्रगीवीस्थारा॥मनह
मोहकर्मउपजवे॥मनहीअस्तीसनालवे॥मन
हीदेवहरादेवपासरा॥मनहीपुजेपुजनाहरा॥म
नहीनरीपरूवकरीजना॥मनहीपुत्तमनवप
वपववनो॥मनहीराजरेअतीसहीया॥मनह
देवनामनहीमीलीराहीया॥ससा॥वहेकवी
रयहमनहे॥मनकारासाकलापासरा॥मन
चीकेतेअवराहे॥णहेनीअधरसदा॥छाप॥
कालअगेवाहीएमनकीवनी॥फुलवसरा

हीसहस्रकुमाधारीवांचारी उतीमभय
कहेनीकुवरी मनकेभयव्रतसावकराही
मनकेभवजोगतपयराहा मनकेगुवाज
गीजोकीन [illegible]
नकेभावापतीग [illegible] मनकेभावबुल
सवहेइ यहुसाव मनकेरीवाटइ सत
गुरमीलां [illegible] दासाव
मनाकी हरहे मनाके [illegible] सावालापसारा
गपानचांवहेमनाग्रचालाहे [illegible]
चारी [illegible] मनकाभाद [illegible] संग
ग्रचारांजावा [illegible] रणा रहीततोह
मा [illegible] गपानांहोईकोईकोईल
हीया [illegible] वलेवा गप्रानी
हाइसाभरवीवेवा [illegible] ग्रघरटीजा
नो हुजभवनमनाभभनो हुजपहारम
नाकेभउ ततेसतीगपानसम [illegible] न

हैमनाकोमउ॥ततेचीतामसद्दसंमरा॥ [illegible]
कहैकवीरवीचाकैा॥सुनीऐसंतसुजाना॥हमरु
मसोनीजुगयौसतीसद्दपरावना॥चौपाई॥य
मैघसस्नुसातीसाहैसा॥सतीसद्दका [illegible]प
हैसा॥जकेपसाहोईदढग्याना॥सोईपवैपद्दनी
रावना॥छंद॥नीरावानपदापईहै॥सोग्याना
द्दीपकउरायरै॥ग्यानपद्दाजनसीकारी॥प्र
गसाश्रतामलोकरै॥जीमीजनहैअकासमो॥
प्रतीववाघघटाहैमीरे॥श्रेत्रजीवहैजेहएत
नो॥यमैघसावीवेमीरे॥सोरठा॥सतीनाम
परावाना॥कहाकावीरावीचरीकैा॥पदहयैलोक
छमना॥यहैजेहजोपवाह्नी॥ऐतेस्त्रीअमरामुल
जिवसीवमेद्दा॥ [illegible]
ह [illegible] सो [illegible]चना॥चौपाई॥य [illegible]
प [illegible] परा [illegible] सोतव्रसोचीनतीअनुसारके॥स
तीलोकमोहीवरानीसुनवा॥वचनतुमसवे

स्वामीपरा॥ तुमतौ कहौ ग्रवचन हैसोई सब
चराचरकी भीक्ष हौगो सई॥ तुमतौ सर्व जो कहीस
मुझाया॥ वचन गावमैसबु जो ग्रवा॥ ग्रवाच
नयुताव चानकी भीक्ष हरै॥ सो मही स्वामी मैह
यातैरे॥ प्रथमैतौ तुमसावधु सुनवा॥ तेही पी
छैपरीरी ग्यानादीटवा॥ तुमतौ कहौ वचन ग्र
लेभा॥ हमसे वकाकी भीक्ष देवीवेभा॥ स्काव
चानाकहीरंग हुयारी॥ जहीते चीताग्रनातेन
हीज [illegible] तवाका [illegible]
काहावेलीन [illegible] ग्यान मैहासाकलोकहीटीन
[illegible] यमैहासमैक
हौवीचरी॥ जहीतनावा हवाहासंसारा॥ प्रथ
मैसीवी [illegible] जो [illegible] तकातापन है [illegible] मैनई
जवाहैबोतुमदीढतग्यान॥ तका [illegible]
प्रवना॥ स- मा [illegible] नात चैजावकपावतपा,
ग्यानग्रयोार नव॥ ग्रनजेकजवाकरयोचार

सोतोतीनीलोकतैंवीलैअंतेसारा॥सद्गुरु
सद्पुरसलाषै॥अपहीवोलाअवोलासुनावै
अपहीचुपाजोवोलातारहीया॥अपुहीवचानअवाच
नजोकहीया॥अपुगुरहोईसद्गुरुवै॥अपुसीसीहोइ
सुरतीसववै॥अपुहीगुरसीषीजोहोई॥दैवैसुनेअप
हीसोई॥ ॥ दैवैसुनेकहैसवु॥अपहीरूपअपरी
अपनचीनैअपुकोजुलसवसंसारा॥ ॥ यहम
तातैहमतुमकोदीन्हा॥पीरालासीषीकोईपवैचीन्हा॥
यमैघसतुमकहौसाहैसा॥जेजसाजीवजाहैउपादेस॥
चलकसामाजधाराहैग्यान॥तकादैरूपनपरावना॥
जकाहैघुद्धीमागग्यानहैजाई॥तकाहालुमीलनादैरूप
माई॥ग्यानगमीजयाहांजोहोई॥सरासद्गुरुसोजहोसो
ई॥जकाहद्धवीग्यानहगसा॥तमहतताग्यानउपादै
अनमैग्यानजहीकोहोई॥इसारकीतारुनदैसो
इ॥उगमग्यानजाकहूअगसा॥अतामरामघटमही
नेवासा॥अतमरामकीप्र ॥अपहीअतम
रामहैसोई॥इतीअकीतरुनद

चांगउसमोई ऐ हीजातीतुम्जगसमुजयै जोस
मुजैतेहीलोकपछावौ अतम्ह [illegible] चैपर्के ता
कैनीकटलोकहैजाई हमतोऐकाव्रम्हकहीछी
ण अवंतालोकाव [illegible] मोचीण अवं [illegible] लोक
कीपराचैपयै क [illegible] कवीराचोवि [illegible] अवे
ऐकसमैसतलोकमोरहीया सतीपुरसऐकमो
[illegible] हीया [illegible] कवीरहमतुम्है [illegible] जाग
वनारमोटेका [illegible] सुरतीसरुपातुम्ह [illegible] गई सघ
रुपहमाहीनीमेई सुरतीस पाताकटारऐकम
वा पाराघाअंतराकछुवनरासा नव्रम्हस
रुपमोहीकोजाजो केवलाव्रम्हहीरुपवसनो
सघम [illegible] ऐकसुरतीछतापवी सोतुमामोकह
[illegible] हजाती [illegible] मोऐकसा [illegible] नोगी०
[illegible] नोरेवुसा अ [illegible] जवनीरुपवछावात
महीनि [illegible] नई [illegible] नउज नमभाराप्र
णसा पचाततामारानवसा जीवरुपकी

याहमनई॥अ्रतामरुपसारुपावताई॥पचा
तातप्रघरहमकीन्हा॥नीचैवसूतीहीमोल
न्हीं॥अ्रपहीअ्रपजोराहेसमई॥अ्रपहीसेस
वासेलावानाई॥अ्रपाहीअ्रपजोराहेसमई॥
मनुसीरुपअ्रपाअ्रवतरा॥रामकेअ्राप्रगटेस
सारा॥याहासावरुपमोराहेसाँचा॥इन्हेचीन्हे
सोजामसोवँचा॥जमहीमहीहेहमरेरुपा॥स
याप्रीथामीमेमोरासारुप॥चौरासीलाछाज
इमीहमाकीन्हा॥अ्रपुवासुजुईनीमोलीन्हा
हमसोइसारानहीनकोई॥जमहीमहीस
रहेसामोई॥जमरुपाहमसीसीवनारे॥जम
महीसवराहेमूलाई॥सूरानामुनीगनाद्य
घाअ्रपरा॥राचीसीसीजमवेउहरा॥इन
तेजमनाघटनाई॥ब्रंम्हहरीसेवाराहेमूल।
॥हेपावीराहमतमासोकही॥नी

पुरसवतायाहैंमोहीसुनई
जनैवतायाहसही धर्मदासनीरावैनी
सोभैतुम्हकाअनीजानई
जानैना नहैंचैजनैपरावैममावैना सहेव
धर्मदासवीनवैकराजोरी
सूनुवीनतीएकमोरी याहमथातुमसतकाम
वी दुसाराग्रौराकाधराकावनहेसाषी
तवकवीरबोलेअसवाणी सतीवता
याम्रुनीरेगपानी याहमयहमतेताजुगी म
युकरावीप्रताहीलेसाषी याहेकाथ
तेताकही मधुकराकोसामुझा अवरानदुस
जनही धर्मदासतुमपाई हार
अंबीताकथामोहीसामुझावा सतगुरासंम्रथ
हेकावनमोराअनजुगवा सतगुरमोअउ अस्तु
कीवलीहरी वहुरीनमोसातगुरचरनही
तीकावनीएकमुसाकराउ सातगुरनारीदाउ
राहेमोयराउ गहागहागीराजेनाम

अहोनाथमोहीयाजास्मभरेउ॥ वहुतअ
नंदाचरेमनमही॥ अचरीजासकाकहुका
हनजही॥ वचनसुयारावीतीनसमुहं॥
ममसंसैजीमीनगताहीं॥ वहुताअनंदाजरे
उहीयमही॥ वृंमाअनंदाकहोनाहीजही॥
वीनतीरकसुनोगुरगपनी॥ तुमसुहीमान
हीजातावखानी॥ जोअवाद्दायाकरोणुसाई
सोईसद्‌मोराहोसमई॥ १८ ॥ वचन॥
कहैकवीरसोईयुमहास॥ एकारुपवमहास।
कवीर॥ लखचौरासीरकसरीर॥ कयावी
रानामहैपीर॥ सवघटरहैसोवईकवी
राजोवलैसोसबप्रवना॥ सदुरुपकवी
रासमना॥ सहुरुपकवीराकहई॥ सदुरुप
होईसाहैसामई॥ नीजाहीरुपकवीरहैसै
चा॥ अकराहैयाहासकलपसारा॥ एकारुप
सदुपुनीरका॥ एकनवहुस्पानहीदेखा॥

ऐसौ हमत मरस्को सरीरा । ऐसो जब है मतीको
धीरा । ऐसो रूप ऐसौ प्रान हरी । ऐसो ही पुरस
सकल वीस्थारा । [illegible] गुरु रूप [illegible] ऐसो है
ऐसो साकल पसारा । ऐसो जन सो ऐसो है
जा है संसारा । [illegible]
न त ऐसा [illegible] रा जो री सतगुर संसो मेटै
मोरी । जो [illegible] ग्यान [illegible] सो [illegible]
मयला [illegible] राम नाम [illegible] ऐसा संसै उपजी
जीव महि [illegible] चा री करा [illegible] जीव [illegible]
रा [illegible] ग्यान [illegible] सब [illegible] रसा [illegible]
[illegible] कर्म सकल जीव [illegible] सा [illegible]
[illegible] वीन सा । कर्म फुरै तैसा फ
ला [illegible] वै [illegible] उचा नीच [illegible] गतावे [illegible] फल पा
[illegible] ग्यान वीचरे [illegible] फल पाये [illegible] कर्म संचै
रै ऐसा कथा [illegible] सा [illegible] साइ कहे जो
सेजाइ तु मता ऐसा ऐसा [illegible] प्राव [illegible] ६

सरानवकवनाउपजावा॥सवघटव्रंम्ह
एकगहराई॥तामीकेवाकस्तसहैजीव
म्रहाजीतमेकहोसावव्रम्हसामना॥कोई
कोईजीवहोईम्रगपाना॥जोकहीऐसवारके
म्रही॥तौकसगपानाकथोम्रगहीरंभवे
म्हतौसावघटचीन्हौं॥गुरसीषीन हैचीनू
किन्हौं॥यहतोम्रपम्रपणहम्रई॥कहैकौ
तुमपचलाइ॥जोम्रसाकहौसकलापऊ
कीन्हा॥ग्यानगमीसीसेकैचीन्हौं॥कहैकौ
माकथारुनई॥कहेकौम्रवगपानावाताई॥क
हैकागुरासीषीकाहवी॥कर्मम्रंककाहैफाला
पवै॥कोवूजेग्रोकोनावूजावी॥अवनगुर
कोसीषीकहवौ॥ला॥चा॥याहासंसेगुरमेटाई
यानतीमनोमोरी॥वलीहरीतमकाद्दीन
मेलीनहउवारी॥चा॥पाई॥तवासातगुरवोले

म्रसावँणी ॥ म्रर ॥ रीजावतावेम्रपहोइ

णी । कर्मलेखातुमपूछेउम्रवई । सोम्रव

कथातोहीसामूफाई । मतपीतजावतम

कमई । तहीकमदेहीवनीम्रदे । व्रम्रलो

कतेजावाजीउम्रवा । कर्मराहीतानीराम

वपहापवा । जलनयीवरीमेघलेम्रपवे

वृक्षवृक्षमहीमावारासावा । भूमीपरेस

रापहीचाणी । इमेंजावेमयालापाटणी । पव

नालागणीमलातवाहोई । मयामलीनहरी

तववोई । जलकहेंपवनजीवम्रजीमीग्पा

नाग्पानजरेतेकर न जुणा । कमनसी

नीरामलापाछापवे । जउकातेउतावाम्रप

[illegible] पगीनेछे जलासोमारा तान

छुटेपछचैदरावरी । जवजन्मेतावकर्मको

लेउ । तानछुटेतावाम्रमीनाहेमा जन्म

मरातेकर्मवीयीकानहाँ॥ऋसावीयीहैक
र्मकोचीन्हा॥जहीसर्मजैसीवनीग्राई।
ताहीसमैतैसीहैगई॥तेहीतेकर्मदफ्लफरन
सवासंसेमीलीकोनहिवस्वाना॥जीवाव
यीयहीतेजनी॥ऋपुनहाऋपुपहीचानी
ततग्यानासुनरेंउऋर्छ॥जाविवुयीजते
माटीजइ॥गुरसामीऐहीकाराना॥ग्राई॥क
र्मग्रंकोलीमानीमाटीजाई॥सातोंवयाचा
लारेउऋर्छ॥ऐहीकरानहमाग्यानसुनउ
याहातेहैसाकलापासरा॥याहातेहैसवहै
उहरा॥ऋतामराम॥ऋन्हीजीनपवा॥स
कलापसारामेटीवाहवा॥ग्रातमपराम
तामसीलीजाई॥जैसेसाललीतासीयसाम
ई॥जवलागनहीचीन्हैयहीऋतामा॥त
वालगीनहीमीलैपरमातमा॥सद्‌वी

नग्राता ॥ग्रीगहीना॥ तगुरासीयांरही
कहीहान ॥ सवद्दनीतजव ॥ ीलआपये
सताग रमालीनीजाधराहीसावव ॥ ग्रेसा
म ॥ जाहाथय ह ई ॥ हंसाहीरवाराकहीरे
सो ॥ तीनाक्कजानोहमहीस गउ ॥ हमही
उन्हेका ॥ नहीवाछ्नगहाहराउ ॥ यर्महास
मह ॥ जो ॥ गपाना ॥ योहातेहंसहोईनीरावीना ॥
जवा ॥ तामाग्पानाप्रमसा ॥ वाहीकवीराव
है ॥ माहासा ॥ म्रतमरामहवीजीनपावा
आपुआपासवणवसमाई ॥ जहहैवैताहग्या
पसमन ॥ व्रमहथे ॥ छजगहीग्रनी ॥ सोहंसो
हंसतीकवीर ॥ सहमंताहैप्रगटसरीर ॥ यह
ग्रंथाभैमंतरकाथा ॥ चरीवेहकोमुलवातवा
राहीवीचारा ॥ प्रगटव्रंम्ह
ग्रेसाग्पानजवाउ
य ॥ ग्पानप ॥ नार ॥
पजे ॥ मसुनानहीयर्महासा प्रघटव्रंम्ह

सरुपहै॥ऐसानामचीस्वासा॥[illegible]॥ऐहीग्रंथ
जोसुनैसुनवे॥गहचैप्रेमागमौक्षोपावै॥जो
ग्यानीहोइयुक्तेग्पना॥नीहचैहोहैब्रह्मसम
ना॥चरीपहारायकोफलाहोई॥नीचैजानो
याहामतसोई॥ऐसागपानग्प्रावंडीतामरी॥ग्प्र
यारामुलमैकहोवीचारी॥[illegible]॥अवमुलानी
जाग्रथहैसाकालागपानामंडारा॥सुनताअवप
हपवहीकिहैकवीरवीचारी॥[illegible]॥यर्मदासी
वचन॥यर्महासाहीआमेअतीहरावे॥गहगह
गीरानरैनानाजालावारावे॥सतगुरचरानग
हैहीयामाही॥मनउहेपंगजापीगासही॥मौह
नसाभाकुलअतीभारी॥तमहसोयतानहीस
नरी॥गुरहायलामोलीर्महजागई॥अयागयनारा
हीताघरापई॥अयसंदेहराहीकुछगही॥सद
तुम्हीरायसोहीयामही॥असतुतीकवनीऐम
सकीजे॥अवीताकपसवाानरीपीजे॥[illegible]॥तु
मअहीब्रह्मा॥अपरासातगुरा॥जीवापार
नाअरेउ॥करीफंदासकलाजमके॥अमरा

होतरू चालेउ गोसीयाकावनकारलागई
पराकहकालहै पकोपगोपहाजनीसौ
ई परायमनीनाकारहैरेउ होणगेमे
हीवातइ परामताम अतमासकला अव
रामुलासमुभाई अवरावास्तुग ।ईर्नौ
ऐतेश्रीग्रंथा अमरामुला पमहरो
सनायनो वीजपानमतावरानणो हास
मे वीस्रमा १०॥संपूरनं संमात१८८८२
वंसवंलसाफपइलागोरववसंतमदन
कोर ६०॥ जोपढैगुनै वीचरैदस्तकही
देचसके सवसंतनसोवनतीहमरी
घटीवढीअछरावेहैसंजरीा सतम
हैतनकोवंदगीअजवदाससतनामगर
सतनाम मेणवीरपछलोबलो॥
संवमोरसत [illegible] तालिलौमाव[illegible]
जो[illegible] सतनाम[illegible]